INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-143 | सांध्य दैनिक | मथुरा, रविवार, 19 जुलाई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

किराये पर बैंक खाता, भविष्य खराब कर रहे युवा

एक बार खाते में रकम आने के बदले मिलते हैं तीन हजार रुपये

छोटे लालच में खराब हो रहा कॅरियर, लद रहे हैं आपराधिक मुकदमे

यूनिक समय, मथुरा। एक बार खाते में रकम आने के बदले केवल तीन हजार रुपये मिलने का लालच युवाओं का कॅरियर खराब कर रहा है। छोटे से लालच के चक्कर में कई युवाओं ने अपना भविष्य बर्बाद कर लिया है, जबकि साइबर अपराधियों ने अब ठगी करने के तरीके बदल दिए हैं। साइबर अपराधी अब केवल ओटीपी या फर्जी कॉल के जरिए ही नहीं, बल्कि किराये के बैंक खातों (म्यूल अकाउंट), फर्जी निवेश एप, ऑनलाइन गेमिंग और क्रिप्टोकरेंसी के माध्यम से करोड़ों रुपये की साइबर ठगी को अंजाम दे रहे हैं। जिले में साइबर अपराधियों को किराये का बैंक खाता और फर्जी सिम कार्ड उपलब्ध कराने का गिरोह सक्रिय है। एसएसपी श्लोक कुमार ने बताया कि पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि साइबर गिरोह 20 से 30 हजार रुपये का लालच देकर लोगों के बैंक खाते और मोबाइल सिम किराये पर लेते हैं। ठगी की रकम पहले इन्हीं खातों में जमा कराई जाती है। फिर कुछ ही मिनटों में कई अन्य खातों में स्थानांतरित कर दी जाती है। इससे रकम का स्त्रोत तलाशना कठिन हो जाता है। इस साल में ही साइबर क्राइम थाने में कई मुकदमे दर्ज किए गए। कई करोड़ रुपये की ठगी हुई है। साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया। पीड़ितों के रुपये फ्रीज कराए।

क्या है म्यूल अकाउंट

म्यूल अकाउंट वह बैंक खाता होता है जिसे साइबर अपराधी किराये या लालच देकर दूसरे व्यक्ति से हासिल करते हैं। ठगी की रकम पहले इसी खाते में आती है और फिर तुरंत कई अन्य खातों में भेज दी जाती है, जिससे असली अपराधियों तक पहुंचना कठिन हो जाता है।

केस एक: भारतीय स्टेट बैंक की औद्योगिक क्षेत्र की शाखा में श्यामिगो इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के नाम से खाता और मैन ब्रान्च में जेड एम क्यू ग्लोबल ट्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम से करंट खाता 2025 में खुलवाकर म्यूल खातों के रूप में प्रयोग करने का मामला सामने आया। इन खातों में एनसीआरपी पोर्टल पर साइबर फ्राड की काफी शिकायते दर्ज थी। इन खातों में 23 लाख रूपये साइबर फ्राड की धनराशि ट्रांसफर कराई गई थी।

केस दो: साइबर अपराधी जसमीर सिंह निवासी कुरकैन थाना नगर जनपद डींग, राजस्थान को बीते दिनों पुलिस ने दबोचा तो उसके पास से 1.25 लाख की नकदी और साइबर फ्राड में प्रयुक्त विभिन्न बैंकों के 23 एटीएम कार्ड, दो एंड्रायड मोबाइल फोन और मोटर साइकिल बरामद की गई। अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि वह अपने दो अन्य साथियों हारिस और जाहुल के साथ मिलकर साइबर ठगी का काम करता है।

अपराधी तकनीक से ज्यादा मनोविज्ञान का करते हैं इस्तेमाल

एसपी ग्रामीण सुरेश चंद रावत ने बताया कि आज के साइबर अपराधी तकनीक से ज्यादा मनोविज्ञान (सोशल इंजीनियरिंग) का इस्तेमाल करते हैं। वे पहले डर, लालच या जल्दबाजी पैदा करते हैं और फिर चंद सेकेंड में लोगों से गलती करवा देते हैं। बैंक, पुलिस, बिजली विभाग या सरकारी अधिकारी बनकर कोई भी फोन पर ओटीपी, यूपीआई पिन, सीबीवी (कार्ड वेरीफिकेशन वैल्यू) या स्क्रीन शेयर करने को कहे तो तुरंत कॉल काट दें।

घटना के बाद 24 घंटे में क्या करें

- तुरंत 1930 हेल्पलाइन पर कॉल करें।
- राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें।
- बैंक को तत्काल ट्रांजेक्शन रोकने की सूचना दें।
- मोबाइल, बैंक खाते और ईमेल के पासवर्ड तुरंत बदलें।
- ओटीपी, यूपीआई पिन या बैंक विवरण साझा न करें।

वेतन कम पड़ा तो ठेकेदारी में उतरे ग्राम पंचायत सचिव

परिजनों के नाम फर्म विकास कार्यों में सीधी हिस्सेदारी

स्पष्टीकरण तक सीमित कार्रवाई, अधिकारियों की चुप्पी सवालों में

यूनिक समय, मथुरा। जिले की ग्राम पंचायतों में तैनात कुछ सचिवों पर सरकारी सेवा के साथ-साथ ठेकेदारी करने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। आरोप है कि केंद्र और राज्य वित्त आयोग से होने वाले विकास कार्यों में कई सचिव अपनी पत्नी, भाई या अन्य परिजनों के नाम से फर्म बनाकर निर्माण कार्य और सामग्री आपूर्ति करा रहे हैं। नियमों के अनुसार, सरकारी कर्मचारी किसी भी प्रकार के व्यवसाय या ठेकेदारी में प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हो सकते, लेकिन इसके बावजूद यह खेल लंबे समय से चलता बताया जा रहा है। इससे विकास कार्यों की पारदर्शिता और गुणवत्ता दोनों पर सवाल उठ रहे हैं।

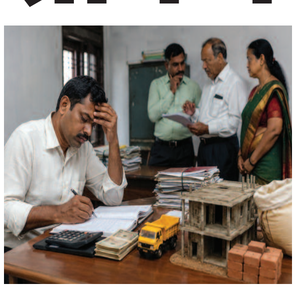

सूत्रों के अनुसार, ऐसे मामलों की शिकायतें शासन स्तर तक पहुंच चुकी हैं, लेकिन जिला पंचायत राज विभाग की कार्रवाई केवल संबंधित सचिवों से स्पष्टीकरण मांगने तक सीमित नजर आ रही है।

स्पष्टीकरण से आगे नहीं बढ़ी बात

पत्नी के नाम से फर्म बनाकर ग्राम पंचायत में सामान की आपूर्ति करने और लाखों का भुगतान हासिल करने का ताजा प्रकरण राया ब्लाक की ग्राम पंचायत अनौड़ा से जुड़ा है। यहां के प्रधान विकास चौधरी ने दो महीने पहले आयुक्त ग्राम्य विकास विभाग को शिकायत की। कहा कि ग्राम पंचायत में तैनात ग्राम विकास अधिकारी अनिल कुमार ने पत्नी के नाम से आकृति इंटरप्राइजेज फर्म बना रखी है। रिश्वत के प्रकरण में पकड़ी गईं तत्कालीन डीपीआरओ किरन चौधरी के समय सचिव ने ग्राम पंचायत के खातों से लाखों रुपये का भुगतान लिया। शिकायत के बाद आयुक्त के निर्देश पर प्रकरण में कार्रवाई सचिव से स्पष्टीकरण मांगने से आगे नहीं बढ़ सकी है। आरोप हैं कि ग्राम सभा की धनराशि का सचिव ने बंदरवाट कर डाला।

अब तक किसी बड़े अनुशासनात्मक कदम या निष्पक्ष जांच की जानकारी सामने नहीं आई है। आरोप है कि विकास कार्यों में कमीशनखोरी और ठेकेदारी के गठजोड़ पर विभागीय अधिकारी भी पर्दा डालने का प्रयास कर रहे हैं। इससे पंचायतों में वित्तीय अनियमितताओं की आशंका भी बढ़ रही है। समय रहते इन आरोपों की निष्पक्ष जांच नहीं हुई तो सरकारी धन के दुरुपयोग और हितों के टकराव जैसे गंभीर सवाल और गहरे होंगे। डीपीआरओ धनंजय जायसवाल का कहना है कि संबंधित सचिव से मामले में स्पष्टीकरण मांगा गया है, जल्द कार्रवाई की जाएगी।

ट्रैफिक सिपाही से फौजी ने की मारपीट

नशे में था फौजी, कोतवाली में कराई गई रिपोर्ट

यूनिक समय, मथुरा। शहर के नए बस अड्डे पर शराब के नशे में एक सेना के जवान ने ड्यूटी कर रहे ट्रैफिक सिपाही के साथ अभद्रता और मारपीट कर दी।

नए बस अड्डे पर ट्रैफिक की ड्यूटी पर अमित कुमार तैनात थे। इसी बीच वहां से पैदल जाते शराब के नशे में धुत्त सेना के जवान ने अमित को बिना वजह गालियां देना शुरू कर दिया। सिपाही ने गालियां देने से मना किया। इस पर सेना के जवान ने उसके साथ हाथापाई कर दी। इसे देख वहां हड़कंप मच गया। ट्रैफिक के सिपाही के साथ मारपीट होते देख अन्य ट्रैफिक कर्मी भी वहां आ गए। पुलिस सेना के जवान को मेडिकल कराने के लिए जिला अस्पताल ले गई। बताया गया कि मेडिकल में जवान ने नशा करना पाया गया। टीएसआई शौर्य कुमार ने बताया कि कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया जा रहा है।

नीट परिणामों में बदला सामाजिक समीकरण, बढ़ी नई भागीदारी

ओबीसी छात्रों की रही सबसे ज्यादा सफलता

यूनिक समय, नई दिल्ली। नीट 2026 के परिणामों ने मेडिकल शिक्षा में बदलते सामाजिक और शैक्षणिक रुझानों की नई तस्वीर पेश की है। इस वर्ष परीक्षा में शामिल होने और सफल होने वाले छात्रों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की हिस्सेदारी सबसे अधिक रही। कुल सफल अभ्यार्थियों में लगभग हर दूसरा छात्र ओबीसी वर्ग से है, जबकि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) और अनुसूचित जाति (एससी) के छात्रों की भागीदारी भी पिछले वर्षों की तुलना में उल्लेखनीय रूप से बढ़ी है।

ईडब्ल्यूएस और एससी की बढ़ी हिस्सेदारी

आंकड़ों के अनुसार, ओबीसी वर्ग का पंजीकरण 41.8 प्रतिशत और सफल अभ्यर्थियों में 45.7 प्रतिशत हिस्सा रहा। सामान्य वर्ग की सफलता का प्रतिशत पंजीकरण की तुलना में घटा, जबकि ईडब्ल्यूएस वर्ग की हिस्सेदारी सफल छात्रों में बढ़कर 8.5 प्रतिशत पहुंच गई। वर्ष 2019 से 2026 के बीच ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों की संख्या में सबसे अधिक 76.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एससी वर्ग के परीक्षार्थियों में 63.5 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

भाषा के स्तर पर अंग्रेजी अब भी सबसे पसंदीदा माध्यम बनी हुई है, हालांकि हिंदी माध्यम से परीक्षा देने वाले छात्रों की संख्या में भी लगातार वृद्धि देखी गई है। तमिल और बांग्ला माध्यम के परीक्षार्थियों की संख्या भी बढ़ी है।राज्यों के प्रदर्शन में छोटे राज्यों ने बेहतर सफलता दर दर्ज की। चंडीगढ़ में 70.14 प्रतिशत अभ्यर्थी सफल रहे, जबकि राजस्थान बड़े राज्यों में सबसे आगे रहा, जहां करीब 69.34 प्रतिशत छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण की। उत्तर प्रदेश से सबसे अधिक 3.28 लाख अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें 51.93 प्रतिशत सफल रहे। टॉप रैंक हासिल करने वाले 138 छात्रों में 109 लड़के और 29 लड़कियां शामिल हैं, जिनमें सबसे अधिक छात्र राजस्थान, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से हैं।

मुड़िया मेले को लेकर जीआरपी अलर्ट जंक्शन पर सुरक्षा का खाका तैयार

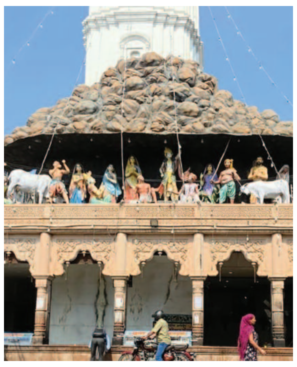

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा और रेलवे स्टेशनों पर सहीं व्यवस्था बनाए रखने के लिए रेलवे पुलिस ने सुरक्षा योजना तैयार कर ली है। रविवार को रेलवे पुलिस अधीक्षक ने मथुरा जंक्शन पर अधीनस्थ अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की और सभी अधिकारियों को निर्देश दिए।

बैठक में तय किया गया कि मेले के दौरान रेलवे क्षेत्र को दो सुपर जोन और चार जोन में विभाजित कर सुरक्षा व्यवस्था लागू की जाएगी। प्रत्येक जोन में अधिकारियों और पुलिस बल की अलग-अलग जिम्मेदारियां तय की गई हैं, ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई की जा सके। सुरक्षा व्यवस्था के तहत आठ प्रभारी निरीक्षक, 40 पुरुष उपनिरीक्षक, 20 महिला उपनिरीक्षक, 350 पुलिसकर्मी, दो बम निरोधक दस्ते, तीन एंबुलेंस, तीनों प्रमुख रेलवे गेटों पर लगाई जाएगी। भीड़ नियंत्रण और किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए चार क्विक रिस्पांस टीम (क्यूआरटी) भी गठित की गई हैं।

जीआरपी पुलिस अधीक्षक द्वारा बनाए गए पहले सुपर जोन में मथुरा जंक्शन, भूतेश्वर, दूसरे जोन में कैंट (छावनी), राया और तीसरे जोन में राधाकुंड, मोरा और गोवर्धन क्षेत्र को शामिल किया गया है। चौंथे जोन में वृंदावन रोड, आझई, छाता, कोसी और गोवर्धन रेलवे क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था तय की जाएगी। सभी संवेदनशील स्टेशनों और प्रमुख ठहराव वाले स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा। बैठक में रेलवे पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले के दौरान स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म, फुटओवर ब्रिज, प्रवेश- निकास द्वारों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। संदिग्ध व्यक्तियों और लावारिस वस्तुओं पर लगातार निगरानी रखी जाए, यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। बम निरोधक दस्ता और क्यूआरटी हर समय अलर्ट मोड पर रहेंगे, जबकि एंबुलेंस के माध्यम से किसी भी आपात स्थिति में तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुड़िया मेले में सुरक्षा को तैनात होगा विशेष पुलिस बल

यूनिक समय, मथुरा। मुड़िया मेले में इस बार सुरक्षा के लिए विशेष पुलिस बल रहेगा। पुलिस कर्मियों को संयम, संवेदनशीलता, भीड़ नियंत्रण और मानवीय दृष्टिकोण विकसित करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

एसएसपी के पीआरओ ने बताया कि 23 जुलाई से मुड़िया पूर्णिमा मेला शुरु होगा। मेले को शांतिपूर्ण और सुरक्षित रुप से कराने के लिए पुलिस प्रशासन द्वारा विशेष तैयारिया की है। एसएसपी श्लोक कुमार के निर्देश पर सुरेश चंद रावत एसपी ग्रामीण के पर्यवेक्षण में 20 जुलाई को गोवर्धन के राधे सेवासदन में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। इसमें मेला क्षेत्र में संवेदनशीलता के साथ सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए जानकारी दी जाएगी। इस सत्र में सेक्टर पुलिस अधिकारी और पुलिसकर्मी भाग लेगें। विशेषज्ञ वक्ताओं और चिकित्सकों द्वारा भीड़ नियंत्रण, मनो वैज्ञानिक और सामाजिक दृष्टिकोण, प्राथमिक उपचार और सीपीआर का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

मेले में भीड़ नियंत्रण, संयम और संवेदनशीलता की दी जाएगी ट्रेनिंग

दो सुपर जोन, चार जोन और चार क्यूआरटी तैनात

आठ प्रभारी निरीक्षक समेत बड़ी संख्या में पुलिस बल रहेगा मुस्तैद

आदिगुरु महर्षि वेदव्यास प्रादुर्भाव समारोह 27 को

यूनिक समय, मथुरा। श्रीमद्भागवत कथा आयोजन समिति, विद्वत् समाज ब्रजमंडल के तत्वावधान में 27 जुलाई को सुबह 10 बजे कृष्णगंगा घाट स्थित आदिगुरु महर्षि वेदव्यास की पौराणिक तपस्थली मंदिर में प्रादुर्भाव समारोह आयोजित होगा। समिति के संस्थापक अमित भारद्वाज की अध्यक्षता में हुई बैठक में अध्यक्ष शशांक पाठक ने बताया कि समारोह में आदिगुरु वेदव्यास का चरणाभिषेक, विद्वत् संगोष्ठी और धर्मगुरुओं का सम्मान किया जाएगा। बैठक में योगेश आवा,मनोज मोहन शास्त्री, आचार्य बद्रीश, आचार्य मृदुलकांत आदि मौजूद रहे।

सहार रजवाह से मिला अज्ञात शव

यूनिक समय,कोसीकलां, मथुरा। कोसीकलां क्षेत्र में गोपाल बाग की हसनपुर पुलिया के समीप सहार रजवाह से पुलिस ने एक अज्ञात व्यक्ति का क्षत-विक्षत शव बरामद किया है।

पुलिस के अनुसार, ग्रामीणों ने सहार रजवाहे में हसनपुर पुलिया के समीप एक अज्ञात व्यक्ति का शव बहते देखा। काफी संख्या में ग्रामीण वहां एकत्रित हो गए। पुलिस को भी इस बारे में सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को निकलवाने के बाद तलाशी की तो उसके पास से कोई भी ऐसी वस्तु बरामद नहीं हुई जिससे उसकी शिनाख्त हो पाती। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद मोरचरी भेज दिया है।

प्रथम पहल फाउंडेशन की नई पहल अब गांव-गांव पहुंचेंगी स्वास्थ्य सेवाएं

गांव बाटी में प्रथम पहल फाउंडेशन द्वारा लगाए गए शिविर में दवा लेते मरीज।

बाटी गांव में लगा नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर,दर्जनों से अधिक ग्रामीणों ने लिया लाभ

यूनिक समय, मथुरा। प्रथम पहल फाउंडेशन (पंजीकृत) ने ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की दिशा में नई शुरुआत की है। अब गांव-गांव स्वास्थ्य शिविर अभियान का शुभारंभ किया गया है।

शिविर में जनरल फिजिशियन डॉ. शिवम गुप्ता ने दर्जनों से अधिक ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर मरीजों का इलाज किया। संस्था के अध्यक्ष कन्हैयालाल अग्रवाल (स्वीटी) और संस्थापक सीए अमित अग्रवाल ने बताया कि प्रथम पहल फाउंडेशन जनपद के विभिन्न गांवों में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर और जरूरतमंद लोगों को उनके गांव में ही विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। ग्रामीणों ने कहा कि संस्था के द्वारा किए जा रहे ऐसे पुण्य कार्य एक सराहनीय कार्य है। जरूरत मंद लोगों को संस्था द्वारा इलाज कराया जा रहा है। शिविर में भानु प्रताप सिंह, काजल ठाकुर, कृष्णा, संतोष शर्मा, हाकिम सिंह सहित संस्था के स्वयंसेवकों और सहयोगियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

चोरी के माल के साथ दबोचा चोरों का गैंग

पुलिस ने सात चोर गिरफ्तार कार-बाइक आदि बरामद

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव पुलिस ने चोरी करने वाले एक शातिर चोर गैंग को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने चोरों से बाइक, इन्वर्टर और अन्य सामान बरामद किया है।

सीओ महावन संजीव कुमार ने बताया कि 17 जुलाई को सुरेंद्र बंसल की एक स्विफ्ट कार चोरी हो गई थी। पुलिस ने इस मामले की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की। बल्देव पुलिस ने यमुना एक्सप्रेस वे के माइल स्टोन संख्या 124 की सर्विस रोड पर चौरासी कोसीय परिक्रमा मार्ग पर गांव हथौड़ा के समीप से चोरी करने वाले एक गैंग को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों में संजू उर्फ सूरज निवासी रोशन बिहार कॉलोनी थाना यमुनापार, दीपक निवासी गांव भैसारा थाना यमुनापार, सोनू निवासी राया रोड ढहरूआ यमुनापार, दीपक उर्फ गूंगा उर्फ गुड्डू निवासी प्रति बिहार कॉलोनी यमुनापार, नरेश निवासी किशनपुर थाना महावन, मौसिम निवासी भरतपुर गेट घीयामंडी, आशीष निवासी किशनपुर थाना महावन को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी की स्विफ्ट कार, बाइकें, इन्वर्टर बैट्री आदि चोरी का सामान बरामद किया है। सीओ ने बताया कि चोरों ने थाना बल्देव, यमुनापार, राया, शहर सहित कई थानों में चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था।

राष्ट्रीय पक्षी मोर पर कुत्तों का जानलेवा हमला, मौत

यूनिक समय, छाता। छाता के गांव उमराया में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां रविवार को जंगल के समीप पंख फैलाकर नाच रहे एक राष्ट्रीय पक्षी मोर पर आवारा कुत्तों के झुंड ने अचानक हमला कर दिया। इस हमले में मोर बुरी तरह लहूलुहान और गंभीर घायल हो गया है। ग्रामीणों से मिली जानकारी के अनुसार, मौसम का आनंद लेते हुए मोर गांव के पास नाच रहा था, तभी अचानक घात लगाकर बैठे आवारा कुत्तों ने उस पर धावा बोल दिया। मोर की चीख-पुकार सुनकर आस-पास खेतों में काम कर रहे ग्रामीण तुरंत मौके पर दौड़े। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद कुत्तों को खदेड़ा और मोर को उनके चंगुल से छुड़ाया।

गांव उमराया में कुत्तों के हमले में मृत राष्ट्रीय पक्षी मोर।

तब तक कुत्तों के काटने से मोर गंभीर रूप से जख्मी हो चुका था। घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम प्रधान ओमप्रकाश मौके पर पहुंचे। उन्होंने घायल मोर की नाजुक स्थिति को देखते हुए वन विभाग के आला अधिकारियों को मामले की दूरभाष पर सूचना दी, कुछ ही समय बाद उसकी मौत हो गई।

उमस में बिजली ने बढ़ाई मुसीबत शहर से गांव तक घंटों कटौती

करोड़ों के रखरखाव और बड़े दावों के बावजूद नहीं सुधरी व्यवस्था

पानी का संकट गहराया, इन्वर्टर भी देने लगे हैं जबाव, लोग परेशान

यूनिक समय, मथुरा। जुलाई की उमस भरी गर्मी में जिले की बिजली व्यवस्था पूरी तरह लड़खड़ाती नजर आ रही है। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लगातार हो रही बिजली की आंख मिचौनी से लोगों की परेशानी कई गुना बढ़ा दी है। दिन हो या रात, बार–बार बिजली गुल होने से लोग गर्मी से बेहाल हैं।

बिजली विभाग ने गर्मी शुरू होने से पहले करोड़ों रुपये रखरखाव और मरम्मत कार्य पर खर्च करने, निर्बाध बिजली आपूर्ति के बड़े दावे किए थे, लेकिन मौजूदा हालात उन दावों की पोल खोल रहे हैं। रात के समय शहर के औरंगाबाद, लक्ष्मी नगर, कृष्णा नगर सहित कई इलाकों में बार–बार बिजली कटने से लोगों की नींद तक खराब हो गई। उमस भरी गर्मी से लोगों का घरों में बैठना मुश्किल हो गया तो लोग देर रात तक घरों के बाहर बैठने को मजबूर रहे। बिजली नहीं रहने से इन्वर्टर भी जबाव देने लगे और उनकी लगातार बजती चेतावनी की आवाज लोगों की परेशानी बढ़ाती रही।

धार्मिक नगरी वृंदावन में भी हालात अलग नहीं रहे। बांके बिहारी की नगरी में लगातार बिजली कटौती के कारण कई मोहल्लों में पानी की टंकियां खाली हो गईं। मोटर नहीं चलने से लोगों को पानी के लिए इंतजार करना पड़ा। गर्मी और उमस के बीच बिजली और पानी दोनों की समस्या ने लोगों का जीवन प्रभावित कर दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी स्थिति चिंताजनक रही। राया, बलदेव, गोवर्धन, सुरीर, मांट और फरह कस्बा के अलावा क्षेत्र के कई गांवों में घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रही। शेरगढ़ क्षेत्र में 33 केवी लाइन पर नया पोल लगाने के कार्य के कारण सुबह से करीब चार घंटे बिजली बंद रही। बिजली नहीं होने से पेयजल संकट गहरा गया और ग्रामीण हैंडपंपों का सहारा लेने को मजबूर हो गए। खेती–किसानी और छोटे कारोबार भी प्रभावित हुए। स्थानीय लोगों का कहना है कि विभाग ने ट्रांसफार्मरों को ठंडा रखने के लिए कूलिंग व्यवस्था और बेहतर रखरखाव के दावे किए थे, लेकिन थोड़ी सी गर्मी और बढ़ते लोड के बीच भी बिजली व्यवस्था चरमरा रही है। राया निवासी राजेश और कुमसा ने कहा कि रातभर बिजली आती–जाती रही। उमस में परिवार के साथ सोना मुश्किल हो गया। इनवर्टर भी जवाब दे गया। औरंगाबाद के सुनील सिंह ने बताया, घंटों बिजली नहीं आई रात में जीना दुश्वार हो गया,अंदर जाए तो उमस भरी गर्मी ने अंदर जाने के लिए ब्रेक सा लगा दिया।

पुलिस मुठभेड़ में तीन लुटेरे गिरफ्तार

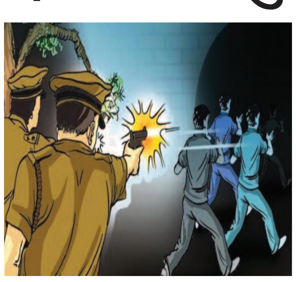

गोली लगने से घायल हुए लुटेरों को अस्पताल में कराया भर्ती

तीस हजार की नकदी देशी तमंचे–कारतूस और बाइक हुई बरामद

यूनिक समय, मथुरा। जैंत क्षेत्र में हत्या कर शव को फेंके जाने के मामले में पुलिस ने काफी प्रयास के बाद हत्यारोपितों की पहचान की। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के प्रयास कर रही थी, तभी आरोपितों के किसी वारदात को अंजाम देने की जानकारी मिली। पुलिस पहुंची तो आरोपितों ने फायरिंग कर दी। पुलिस फायरिंग में दो लुटेरे घायल हो गए। पुलिस ने मौके से घायल बदमाश के एक अन्य साथी को पकड़ा है।

सीओ रिफाइनरी प्रवीण कुमार ने बताया कि 16 जुलाई को थाना जैंत क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव मिला था। शव की शिनाख्त होने पर मृतक सुनील त्रिपाठी के परिवारीजनों द्वारा दी गई तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया। इसके बाद थाना जैंत की टीम और सर्विलांस टीम ने अभियुक्तों की शिनाख्त के लिए एक दर्जन से अधिक सीसी कैमरों की फुटेज और इलैक्ट्रोनिक्स सर्विलांस से जानकारी जुटाई। अन्य जानकारी भी एकत्रित करने के बाद घटना में तीन अभियुक्तों की भूमिका सामने आई।

उन्होंने बताया कि पुलिस तीनों अभियुक्तों को गिरफ्तार करने के प्रयास में लगी थी। इसी बीच जैंत पुलिस टीम और सर्विलांस टीम को इस तरह की सूचना मिली कि घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्त इलाके में किसी अन्य वारदात को करने के लिए आए हुए हैं। अभियुक्त नगला कीकी के जंगल की तरफ देखे गए हैं। इस जानकारी के मिलते ही पुलिस टीम ने बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए घेरा बंदी की, पुलिस के पहुंचने पर बदमाश भागने लगे। पीछा करने पर बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की।

पुलिस की गोली अभियुक्त सियाराम और रवि निवासी कमई थाना बरसाना के पैरों में लगी और दोनों घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। पुलिस ने इन दोनों के अलावा इनके साथ सचिन निवासी कमई थाना बरसाना को भी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस को इनके कब्जे से लूट के तीस हजार रुपये, दो देशी तमंचे कारतूसों के अलावा घटना में प्रयुक्त की गई मोटरसाइकिल भी बरामद हुई है। दोनों घायलों को पुलिस अभिरक्षा में अस्पताल भेज दिया गया है। पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि उन्होंने सुनील त्रिपाठी की हत्या लूट के उद्देश्य से की थी। अभियुक्तों के पास से मृतक का एटीएम कार्ड और मोबाइल भी मिला है।

गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना प्रभारी जैंत सोनू सिंह, चौकी प्रभारी चौमुहां मनोज भाटी, सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा और पुलिस टीम शामिल है।

कोसीकलां में रेलवे ट्रेक पर मिले अज्ञात व्यक्ति की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। थाना कोसीकलां क्षेत्र में ट्रेन से गिरकर मरने वाले व्यक्ति की शिनाख्त उसके परिवार के लोगों ने की है। पुलिस के अनुसार, कोसीकलां इलाके में एक अज्ञात व्यक्ति का शव रेलवे ट्रेक पर पड़ा मिला था। उसके पास से बरामद मोबाइल से जानकारी की गई तो उसकी शिनाख्त रघुवीर (50) पुत्र सीनू निवासी गांव तेहरका जिला निवारी एमपी के रुप में परिवार के लोगों ने की। परिवार के लोगों ने बताया कि कल उनके पास कोसीकलां पुलिस का फोन आया था कि रघुवीर की डैड बॉडी रेलवे ट्रेक से मिली है। परिवार के लोगों ने बताया कि वह दिल्ली में मजदूरी करता था। बुधवार को वह घर से दिल्ली के लिए निकला था। पुलिस ने बताया कि रास्ते में ट्रेन से गिर कर उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को परिवारीजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है।

सड़क दुर्घटना में दो दोस्त की मौत, तीन गंभीर घायल

बांकेबिहारी के दर्शन कर लौट रही थी टोली हादसे का शिकार

यूनिक समय, होडल। बांकेबिहारी और शनिदेव के दर्शन कर घर लौट रहे पांच दोस्त हादसे का शिकार हो गए। रविवार सुबह दिल्ली–आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग–19 पर हादसा देखने वालों के दिल दहल गए। ग्रेटर नोएडा लौट रहे पांच दोस्तों की तेज रफ्तार कार अचानक अनियंत्रित होकर दूसरी लेन में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। दिल दहलाने वाले हादसे में दो दोस्तों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर घायल हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा के दादरी का रहने वाला हिमांशु अपने चार अन्य दोस्तों निशांत निवासी राजपुर, शिवम और निशांत निवासी जुनपथ और लकी निवासी सादोपुर के साथ शनिवार को शनिदेव और बांके बिहारी मंदिर के दर्शन करने आया था। सभी दोस्त बेहद खुश थे और रातभर की थकान के बाद रविवार सुबह करीब 6:30 बजे अपनी कार से घर लौट रहे थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, होडल थाना क्षेत्र के अंतर्गत एनएच–19 पर अचानक कार की रफ्तार बेकाबू हो गई। ड्राइवर नियंत्रण खो बैठा और डिवाइडर को पार करती हुई कार दिल्ली से आगरा जाने वाली विपरीत लेन में चल रही दूसरी गाड़ी से सीधे जा टकराई। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग सहम गए।

सूचना मिलते ही पुलिस और हाईवे एंबुलेंस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे युवकों को बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक हिमांशु और निशांत की सांसें थम चुकी थीं।

वहीं शिवम, निशांत और लकी को लहूलुहान हालत में जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से उनकी नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें दिल्ली–एनसीआर के हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया है।

थकान और नींद की झपकी बन रही वजह

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन–मथुरा से रातभर जागकर लौटने वाले वाहन चालक अक्सर सुबह चार से सात बजे के बीच नींद का शिकार होते हैं। सुबह के वक्त हाईवे खाली मिलने पर गाड़ियों की स्पीड सीमा से अधिक (100+ किमी/घंटा) हो जाती है, जिससे अचानक ब्रेक लगाना नामुमकिन हो जाता है। इसी वजह से ऐसे हादसे होते हैं।

डीएनए रिपोर्ट से तय होगा कंकाल महिला का या पुरुष का

मथुरा जंक्शन के पास मिले मानव कंकाल की शिनाख्त के प्रयास तेज

पोस्टमार्टम और डीएनए रिपोर्ट का इंतजार

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन रेलवे स्टेशन से करीब 50 मीटर की दूरी पर चार दिन पहले मिले अज्ञात मानव कंकाल की शिनाख्त अभी तक नहीं हो सकी है। जीआरपी ने पंचनामा भरकर कंकाल को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। घटना के कई दिन बाद भी पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आई है, जिसके चलते पुलिस आगे की कार्रवाई के लिए रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

जीआरपी थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि कंकाल की पहचान कराने के लिए आसपास के जिलों की पुलिस को सूचना भेजी गई है।

साथ ही विभिन्न थानों में दर्ज गुमशुदगी के मामलों का भी मिलान कराया जा रहा है, ताकि मृतक की शिनाख्त हो सके। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम और डीएनए जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि कंकाल महिला का है या पुरुष का। साथ ही मृत्यु के कारण और अन्य महत्वपूर्ण तथ्यों की भी जानकारी मिल सकेगी।

जल निगम की लापरवाही से सूखे नल, हैंडपंप बने सहारा

तीन नलकूप और टंकी के बावजूद गाव बरारी में पानी का संकट

एक नलकूप में खराबी से दो मोहल्लों में नहीं पहुंच रहा पीने को पानी

ग्रामीण बोले, जेई नहीं उठाते फोन

गांव बरारी में बनी जल निगम की टंकी।

यूनिक समय, मथुरा। फरह ब्लॉक की ग्राम पंचायत बरारी में जल जीवन मिशन और जल निगम की व्यवस्थाएं ग्रामीणों की प्यास नहीं बुझा पा रही हैं। करीब सात हजार की आबादी वाले इस गांव में एक बड़ी पानी की टंकी और तीन नलकूप होने के बावजूद कई मोहल्लों के लोगों को आज भी हैंडपंपों का सहारा लेना पड़ रहा है।

गांव बरारी के लोगों ने बताया कि एक नलकूप की सबमर्सिबल मोटर करीब एक माह से फुंकी हुई है, स्टार्टर और चौकीदार भी लंबे समय से खराब पड़ा है, जबकि दूसरे नलकूप में तकनीकी खराबी के कारण पानी की आपूर्ति प्रभावित है। इसका सबसे अधिक असर ठाकुर और प्रजापति मोहल्ले में रहने वाले लोगों पर पड़ रहा है, जहां के घरों तक नियमित पेयजल नहीं पहुंच रहा। भीषण गर्मी और उमस के बीच लोगों को सुबह-शाम हैंडपंपों पर लाइन लगानी पड़ रही है।

आरोप है कि समस्या की जानकारी कई बार जल निगम के अवर अभियंता (जेई) को दी गई, लेकिन न तो खराब नलकूपों की मरम्मत कराई गई और न ही कोई स्थायी समाधान निकाला गया। उनका कहना है कि जेई फोन तक रिसीव नहीं करते, जिससे शिकायत करने के बाद भी कोई सुनवाई नहीं हो रही। अधिकारियों का अधिक ध्यान एक माननीय के फार्म हाउस तक पानी पहुंचाने पर रहता है, जबकि आम ग्रामीण पेयजल संकट से जूझ रहे हैं। इस समस्या की जानकारी के लिए जेई हेमंत कुमार को काल की गई, लेकिन रिसीव नहीं की। व्हाट्सएप पर भी उत्तर नहीं दिया। वहीं, सुपरवाइजर अरूण कुमार का कहना है कि सबमर्सिबल सही करा दी गई, कुछ तकनीकी कमी है, सोमवार तक सही कर दी जाएगी।

ग्रामीणों की बात

राजेंद्र सिंह ने बताया कि लगभग दस वर्ष पहले जल निगम ने गांव में लाखों रुपये खर्च कर पानी की टंकी बनवाई थी, ताकि हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचे। लेकिन रखरखाव के अभाव और अधिकारियों की उदासीनता ने पूरी व्यवस्था को बेअसर बना दिया है।

प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र सिंह का कहना है कि जब गांव में टंकी और तीन-तीन नलकूप मौजूद हैं, तब भी यदि उन्हें हैंडपंपों से पानी भरना पड़े तो यह योजनाओं की विफलता को दर्शाता है। खराब नलकूपों को तत्काल ठीक कराया जाए।

भीकम सिंह प्रजापति का कहना है कि जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय हो और बरारी के सभी मोहल्लों में नियमित- शुद्ध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए, ताकि लोगों को पेयजल के लिए रोजाना परेशान न होना पड़े।

23 अगस्त को होगा मथुरा कंप्यूटर ओलम्पियाड

यूनिक समय, मथुरा। जन सांस्कृतिक मंच अपने स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 23 अगस्त को रतन लाल फूल कटोरी बालिका विद्यालय में मथुरा कंप्यूटर ओलम्पियाड-2026 का आयोजन करेगा। प्रतियोगिता सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड की कक्षा 10, 11 और 12 के विद्यार्थियों के लिए होगी। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों में कंप्यूटर शिक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा, डिजिटल साक्षरता और तार्किक क्षमता के प्रति रुचि बढ़ाना है।

आयोजकों के अनुसार, यह मथुरा की पहली पूर्णतः मोबाइल आधारित ऑनलाइन कंप्यूटर प्रतियोगिता होगी। विद्यार्थी अपने मोबाइल फोन से निर्धारित समय पर परीक्षा देंगे और परीक्षा समाप्त होते ही परिणाम तत्काल घोषित कर दिए जाएंगे। विजेताओं को उसी समय मंच से सम्मानित भी किया जाएगा, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और समयबद्ध रहेगी।

प्रतियोगिता की जानकारी देते मुख्य संयोजक पवन चतुर्वेदी आदि।

प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11 हजार रुपये, द्वितीय 5,100 रुपये, तृतीय 3,100 रुपये और 10 सांत्वना पुरस्कार 1,100-1,100 रुपये के दिए जाएंगे। पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 अगस्त निर्धारित की गई है। आवेदन गूगल फॉर्म के माध्यम से किए जाएंगे, जिसका लिंक जिले के सभी सीबीएसई और आईसीएसई विद्यालयों को भेजा जा चुका है।

वार्ता में मंच के अध्यक्ष राज किशोर अग्रवाल ने कहा कि यह आयोजन विद्यार्थियों की तकनीकी प्रतिभा को नई पहचान देगा। मुख्य संयोजक पवन चतुर्वेदी और तकनीकी प्रमुख इंजीनियर कल्पना गर्ग ने भी विद्यार्थियों से प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की।

मोबाइल चोर गिरफ्तार चोरी के दो मोबाइल मिले

यूनिक समय, मथुरा। जीआरपी ने मोबाइल चोरी की घटना का अनावरण करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी के दो मोबाइल बरामद किए हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार पुलिस टीम के साथ स्टेशन पर चेकिंग और अपराध की रोकथाम के लिए गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक सूचना मिली की प्लेटफार्म संख्या आठ के अंतिम छोर पर एक संदिग्ध युवक है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर देखा तो वहां झाड़ियों में एक युवक दिखाई दिया। पुलिस ने दबिश देकर अभियुक्त हुसैन को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से दो चोरी के मोबाइल बरामद हुए।

संग्रह केंद्र से पहले ठिठका कचरा, स्वच्छता बनीं सपना

आरआरसी पर करोड़ों खर्च,गांव फिर भी गंदगी से बेहाल

यूनिक समय, मथुरा। जिले की 495 ग्राम पंचायतों को स्वच्छ और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला पंचायत राज विभाग ने गांव-गांव में रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) यानी कूड़ा संग्रह केंद्र स्थापित कराए। इन केंद्रों पर लाखों रुपये खर्च कर शेड, प्लेटफॉर्म, मशीनें और अन्य संसाधन उपलब्ध कराए गए, ताकि गांवों से निकलने वाले गीले कचरे से खाद और प्लास्टिक कचरे से पुनर्चक्रण योग्य सामग्री तैयार की जा सके। योजना का मकसद स्वच्छता के साथ ग्राम पंचायतों की आय बढ़ाना भी था, लेकिन विभागीय लापरवाही और निगरानी के अभाव में अधिकांश केंद्र शोपीस बनकर रह गए हैं। कई स्थानों पर ताले लटके हैं, तो कहीं कचरा पहुंच ही नहीं पा रहा है।

बल्देव ब्लाक की ग्राम पंचायत नरहौली जुन्नादार, फरह ब्लाक की ग्राम पंचायत जमालपुर या फिर मथुरा ब्लाक की ग्राम पंचायत भैंसा, हर ग्राम पंचायत की राम कहानी ऐसी है, यहां कचरा से आय हासिल करने को आरआरसी तो बनाए गए, लेकिन प्रधान और सचिव इनको धरातल पर हकीकत नहीं बना सके। आज भी गांवों में कचरा खुले में पड़ा रहता है, जबकि सफाईकर्मी उसे आरआरसी तक पहुंचाने के बजाय खाली स्थानों या सड़क किनारे फेंक रहे हैं। कई पंचायतों में कूड़ा संग्रह केंद्रों का नियमित संचालन ही नहीं हो रहा है। न तो कचरे का पृथक्करण हो रहा है और न ही खाद या प्लास्टिक प्रसंस्करण का कार्य। परिणामस्वरूप लाखों रुपये की सरकारी संपत्ति बेकार पड़ी है और स्वच्छ भारत मिशन के दावे सवालों के घेरे में हैं।

फरह ब्लाक की ग्राम पंचायत में आरआरसी केंद्र के बाहर पड़ा कचरा।

ग्रामीणों का कहना है कि यदि इन केंद्रों का सही संचालन होता तो गांवों में गंदगी कम होती और पंचायतों को अतिरिक्त आय भी मिलती। जिला पंचायत राज विभाग की निगरानी और जवाबदेही की कमी के कारण पूरी योजना कागजों तक सीमित होती नजर आ रही है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब करोड़ों रुपये खर्च किए गए तो आखिर इन केंद्रों के संचालन की जिम्मेदारी किसने निभाई और उनकी नियमित समीक्षा क्यों नहीं हुई। जब तक जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं होगी, तब तक गांवों को स्वच्छ बनाने का सपना केवल सरकारी फाइलों में ही सिमटा रहेगा। डीपीआरओ धनंजय जायसवाल का कहना है कि जल्द ही ऐसे आरआरसी का निरीक्षण कराया जाएगा। संबंधित से संचालन करने को कड़ाई से संचालन को कहा जाएगा।

लाखों की परियोजना जिले में साबित हो रहा उपयोग शून्य

दिन-दहाड़े फायरिंग से दहला वृंदावन

बेखौफ बदमाशों ने मचाई दहशत

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन के गोरा नगर क्षेत्र में रविवार को दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना से इलाके में दहशत फैल गई। तड़तड़ाती गोलियों की आवाज सुनते ही आसपास के लोग घरों और दुकानों की ओर भागने लगे, जिससे कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुछ बेखौफ युवकों ने खुलेआम फायरिंग कर क्षेत्र में भय का वातावरण पैदा कर दिया और मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों का कहना है कि गोली चलाने वाले युवक गौतम पाड़ा क्षेत्र के बताए जा रहे हैं। घटना के बाद आसपास के लोगों में भारी आक्रोश और असुरक्षा की भावना देखने को मिली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी।

पुलिस प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ कर आरोपितों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी है।

दिनदहाड़े हुई इस फायरिंग की घटना ने क्षेत्र की कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने आरोपितों की शीघ्र गिरफ्तारी और क्षेत्र में नियमित पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

बदलते मौसम ने बढ़ाई मुश्किल धूल से बढ़े अस्थमा के मरीज

जिला अस्पताल में बीते दिन पंजीकरण कराने को मौजूद मरीज।

दूषित खानपान से फूड प्वाइजनिंग का खतरा

जिला अस्पताल में भी बढ़ी मरीजों की संख्या

यूनिक समय, मथुरा। बारिश के बाद तेज धूप और उड़ती धूल का असर लोगों की सेहत पर पड़ने लगा है। धूल के कण सांस के साथ फेफड़ों तक पहुंच रहे हैं, जिससे अस्थमा और सांस के मरीजों की परेशानी बढ़ गई है। वहीं बाहर मिलने वाले खुले और दूषित खाने-पीने की चीजों के कारण फूड प्वाइजनिंग, उल्टी-दस्त और पीलिया के मरीज भी बढ़ रहे हैं।

जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. रवि माहेश्वरी ने बताया कि बदलते मौसम का सबसे ज्यादा असर सांस के मरीजों पर पड़ रहा है। अस्पताल की ओपीडी में रोजाना 160 से 180 मरीज पहुंच रहे हैं। पिछले कुछ दिनों की तुलना में अस्थमा और सांस के मरीजों की संख्या में करीब 15 प्रतिशत बढ़ोतरी हुई है। पहले रोज करीब 15 मरीज आते थे, अब यह संख्या बढ़कर 25 के आसपास पहुंच गई है।

उन्होंने बताया कि धूल और मौसम बदलने से लोगों में एलर्जी की समस्या भी बढ़ रही है। मरीजों को खांसी, बार-बार छींक आना, सांस फूलना और सीने में जकड़न जैसी दिक्कत हो रही हैं। ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। डॉक्टर को दिखाने तक लोग घर पर भी सावधानी रखें। गुनगुने पानी में नमक डालकर गरारे करें, ठंडा पानी और फ्रिज की ठंडी चीजें खाने-पीने से बचें। धूल में निकलते समय मास्क का इस्तेमाल करें। उन्होंने बताया कि गर्मी और उमस में लोग बाहर के पेय पदार्थ और खुले खाद्य पदार्थ ज्यादा खा रहे हैं। इससे फूड प्वाइजनिंग, पेट दर्द, उल्टी-दस्त और पीलिया के मामले बढ़ रहे हैं। अधिक पसीना निकलने से कई लोगों का ब्लड प्रेशर भी कम हो रहा है। इसलिए साफ और ताजा भोजन करें, पर्याप्त पानी पिएं और कोई भी परेशानी होने पर तुरंत डॉक्टर की सलाह से दवा लेनी चाहिए।

ट्रेन से कटकर की आत्महत्या

यूनिक समय, मथुरा। चौकी कृष्णानगर क्षेत्र रविवार शाम भूतेश्वर रेलवे लाइन पर एक व्यक्ति ने ट्रेन से कट कर आत्महत्या कर ली। रेलवे लाइन पर एक युवक ट्रेन के आगे कूद गया। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने वाले का नाम पंकज अग्रवाल निवासी अंतापाड़ा है। शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

11 सेक्टरों में चला स्वच्छता अभियान, खूब उमड़ा जनसहयोग

झाड़ू लेकर उतरे संत,अफसर और समाजसेवी

परिक्रमा मार्ग के 11 सेक्टरों में रविवार को चला वृंदावन स्वच्छता महाअभियान

मंडलायुक्त ने लगाई झाड़ू, डीआईजी ने उठाया कूड़ा

डीएम, एसएसपी और नगर आयुक्त ने किया लोगों से कूड़ा न फैलाने का आग्रह

ब्रज स्वच्छता संकल्प के साथ रविवार को परिक्रमा मार्ग में चलाए गए स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, डीआईजी शैलेश पांडेय, एसएसपी श्लोक कुमार, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल एवं अन्य। दूसरे चित्र में संतों के साथ मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप।

यूनिक समय, वृंदावन। ब्रज को स्वच्छ-सुंदर और प्लास्टिक मुक्त बनाने के संकल्प के साथ रविवार को 11 किलोमीटर लंबे परिक्रमा मार्ग पर स्वच्छता महाअभियान चलाया गया। 'हम सबने यह ठाना है- ब्रज को स्वच्छ बनाना है' अभियान के तहत पूरे परिक्रमा मार्ग को 11 सेक्टरों में विभाजित कर प्रत्येक सेक्टर की जिम्मेदारी वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों ने संभाली। सुबह 8 से 11 बजे तक चले अभियान में अधिकारियों ने स्वयं झाड़ू लगाकर, कूड़ा उठाकर और श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया। दुकानदार और श्रद्धालुओं से ब्रज भूमि को गंदा न करने का आग्रह भी किया।

अभियान में उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, मंडलायुक्त नगेंद्र प्रताप, डीआइजी शैलेश कुमार पांडेय, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम

स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

प्रशासन डॉ. अमरेश कुमार मौर्य, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, सीओ सदर वरुण मिश्रा, अपर नगर मजिस्ट्रेट राजकुमार चौधरी सहित जीएलए विवि के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, कुलपति डॉ. अनूप गुप्ता, रजिस्ट्रार एके सिंह, केडी मेडिकल कालेज के एमडी मनोज अग्रवाल, उमा मोटर्स के निदेशक पवन चतुर्वेदी, के संस के डायरेक्टर सुरेश कौशिक, राम अग्रवाल, उज्ज्वल ब्रज के

ब्रज स्वच्छता संकल्प के साथ रविवार को परिक्रमा मार्ग में चलाए गए स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते डीएम सीपी सिंह, जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल, उद्योगपति सुरेश कौशिक, वृंदा ग्रुप के चेयरमैन राम अग्रवाल।

सचिव अनंत शर्मा आदि ने विभिन्न सेक्टरों में श्रमदान किया।

डीएम चंद्र प्रकाश सिंह ने परिक्रमा मार्ग स्थित दुकानदारों, होटल, रेस्टोरेंट और ढाबा संचालकों से स्वच्छता बनाए रखने, कूड़े का उचित निस्तारण करने, सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने की अपील की। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपने घरों और प्रतिष्ठानों के आसपास नियमित साफ–सफाई रखने का आह्वान किया। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति नारायण दास ने कहा कि स्वच्छता अभियान में सभी की सहभागिता अवश्य है।

महाअभियान में हार्टफुलनेस फाउंडेशन, उज्ज्वल ब्रज, प्रोजेक्ट मथुरा, निगम के सफाईकर्मियों, संत समाज, सामाजिक संगठनों और बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों ने भाग लिया। विभिन्न शहरों से कई सैकड़ा हार्टफुलनेस के स्वयंसेवकों ने परिक्रमार्थियों, दुकानदारों और स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता संबंधी पत्रक वितरित कर गीले और सूखे कचरे के पृथक निस्तारण, प्लास्टिक मुक्त वातावरण और स्वच्छ जीवनशैली के प्रति जागरूक किया। संतों ने स्वयं सफाई कर श्रद्धालुओं और अनुयायियों को स्वच्छता अपनाने का संदेश दिया।

जनभागीदारी से सुरक्षित रहेगा ब्रज का वैभव: शैलजाकांत

सफाई अभियान का शुभारंभ करते हुए उप्र बृज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्रा।

यूनिक समय, मथुरा। स्वच्छता अभियान से पूर्व वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान के ओपन एयर थिएटर में हार्टफुलनेस फाउंडेशन के तत्वावधान में ध्यान शिविर- आध्यात्मिक परिचर्चा का आयोजन हुआ। ध्यान, हृदय से जुड़ाव, प्रेम और आध्यात्मिक जीवन के महत्व पर चर्चा की गई।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र ने कहा कि ब्रज की स्वच्छता का यह अभियान केवल सफाई तक सीमित नहीं, बल्कि जनभागीदारी का व्यापक आंदोलन है। जब संत समाज, प्रशासन, सामाजिक संस्थाएं और आम नागरिक एक साथ जुड़ेंगे, तभी ब्रज का प्राकृतिक और आध्यात्मिक वैभव सुरक्षित रह सकेगा।

भुवनेश ने नीट में 98.73 प्रतिशत अंक हासिल कर किया क्षेत्र का नाम रोशन

भुवनेश कटारा।

यूनिक समय, सुरीर। क्षेत्र के गांव बेरा निवासी राजेश कटारा (गार्ड रेजिडेंट) के पुत्र भुवनेश कटारा ने नीट परीक्षा में 98.73 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की। उनकी इस उपलब्धि से पूरे परिवार और गांव में खुशी की लहर दौड़ गई। भुवनेश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने दादा–दादी, ताऊ चाचा और माता–पिता से मिले संस्कारों और निरंतर कठिन परिश्रम को दिया। जैसे ही उनके चयन की सूचना गांव पहुंची, परिजनों और ग्रामीणों में उत्साह का माहौल बन गया। ग्रामीणों ने भुवनेश का स्वागत किया। परिजनों और ग्रामीणों ने उन्हें पटुका पहनाकर सम्मानित किया और मिठाई वितरित कर खुशी का इजहार किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने भुवनेश की उपलब्धि को पूरे गांव के लिए गर्व का क्षण बताया, उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ग्रामीणों का कहना था कि भुवनेश की सफलता गांव के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बनेगी। उनकी इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया कि मेहनत, अनुशासन और परिवार के सहयोग से कोई भी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा, मौत

सलहज को छोड़ कर पैदल आ रहा था घर, तेज गति वाहन ने मारी टक्कर

यूनिक समय, मथुरा। थाना मांट के बेगमपुर(पानी गांव) के समीप बीती रात सलहज को छोड़कर आते ग्रामीण को किसी तेज गति से आते चौपहिया वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी मौत हो गई।

बताया गया कि गांव जहांगीरपुर निवासी पप्पू बीती रात अपनी सलहज को छटीकरा रोड पर टप्पल जाने के लिए बिठाने के लिए गया था। सलहज को बिठाने के बाद वह पैदल घर के लिए लौट रहा था। गांव के समीप उसे किसी तेज गति से आते चार पहिया वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना में पप्पू की मौत हो गई। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पप्पू की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

चमकदार जूतियां बनीं महिलाओं की नई फैशन पसंद

होली गेट स्थित एक दुकान पर बिक्री को रखीं जूतियां।

फैशन के साथ आराम को भी दे रहीं प्राथमिकता

फुटवियर विक्रेता किशन बताते हैं कि अब ग्राहक केवल आकर्षक डिजाइन ही नहीं, बल्कि आरामदायक फुटवियर भी चाहते हैं। हल्के वजन वाली कुशन सोल जूतियां और सैंडल सबसे अधिक बिक रही हैं। निर्माता भी इसी मांग को ध्यान में रखकर स्टाइल और आराम का बेहतर संयोजन बाजार में उतार रहे हैं। इन जूतियों की कीमत डिजाइन और गुणवत्ता के अनुसार 400 रुपये से शुरू होकर करीब एक हजार रुपये तक है, जबकि विशेष हैंडवर्क और प्रीमियम डिजाइन वाले फुटवियर इससे अधिक कीमत पर उपलब्ध हैं। व्यापारियों को उम्मीद है कि रक्षाबंधन, हरियाली तीज और आगामी शादी सीजन के दौरान इन चमकदार जूतियों और सैंडल की मांग में और तेजी आएगी।

बाजार में स्टोन, सीक्विन, मोती और मिरर वर्क से सजी जूतियां और सैंडल की बहार

यूनिक समय, मथुरा। शहर के फुटवियर बाजार में इन दिनों स्टोन, सीक्विन, मोती और मिरर वर्क से सजी जूतियां और सैंडल महिलाओं की पहली पसंद बनी हुई हैं। तीज, रक्षाबंधन, शादी–विवाह और अन्य पारिवारिक आयोजनों के मौसम ने इन आकर्षक फुटवियर की मांग को नई ऊंचाई दे दी है। बाजार में रोजाना बड़ी संख्या में महिलाएं और युवतियां अपनी पसंद के डिजाइन तलाशने पहुंच रही हैं। दुकानदारों के अनुसार, पिछले कुछ महीनों में इन फैशनेबल जूतियों की बिक्री में 30 से 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

बाजार में गोल्डन, सिल्वर, रोज गोल्ड और मल्टीकलर रंगों की जूतियां सबसे अधिक पसंद की जा रही हैं। स्टोन, सीक्विन और पर्ल वर्क से सजी ये जूतियां सूट, साड़ी, लहंगा, गाउन और इंडो–वेस्टर्न परिधानों के साथ आसानी से मेल खा जाती हैं। यही वजह है कि महिलाएं एक ही जोड़ी फुटवियर को कई अवसरों पर पहनना पसंद कर रही हैं। जूता कारोबारी राजेश सिंघल का कहना है कि ग्राहकों की पसंद को देखते हुए दुकानों पर लगातार नए डिजाइन मंगाए जा रहे हैं, ताकि त्योहारी सीजन की बढ़ती मांग पूरी की जा सके।

बैंक के राष्ट्रीयकरण दिवस पर किया पौधारोपण

यूनिक समय, मथुरा। बैंक के 57 वें राष्ट्रीयकरण दिवस पर डैंपियर नगर स्थित शहीद भगत सिंह पार्क में बैंक कर्मियों ने पौधारोपण कर लोगों से पौधे लगाने की अपील की। आयोजित गोष्ठी में बैंक राष्ट्रीयकरण महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

उत्तर प्रदेश बैंक इम्प्लाइज यूनियन के अध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा, मंत्री जगमोहन शर्मा, राजेश कुमार यादव, शोभित वर्मा, आरके सिंह, हर्ष भाटिया, अर्जुन कुमार, भरत सिरोही आदि के अलावा विभिन्न बैंकों के अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे।

बैंक के राष्ट्रीयकरण दिवस पर डैंपियर नगर पार्क में पौधा रोपण करते बैंक कर्मी

मानसून के दौरान होने वाले जोड़ों के दर्द को ऐसे करें दूर

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आप इस मानसून में जोड़ों के दर्द से बचना चाहते हैं? इन 4 महत्वपूर्ण टिप्स का पालन करें और बरसात के मौसम में अपने जोड़ों का अत्यधिक ख्याल रखें। कई लोगों को मानसून के मौसम में जोड़ों से संबंधित समस्याओं का अधिक अनुभव होता है, जैसे कि क्रोनिक जोड़ों का दर्द, गठिया, मांसपेशियों में दर्द, ऑस्टियोआर्थराइटिस और जोड़ों में दर्द और अकड़न होना। मानसून के दौरान जोड़ों के दर्द को विभिन्न कारक प्रभावित कर सकते हैं जैसे आर्द्रता, नमी का स्तर और वायुमंडलीय दबाव।

एचटी लाइफस्टाइल के साथ एक इंटरव्यू में एक्सपर्ट ने बताया "जब जलवायु में बदलाव होता है या भारी वर्षा होती है तो वायुमंडलीय दबाव काफी कम हो जाता है। जब आप का शरीर को इन परिवर्तनों का पता लगता है और डिकोड करता है तो इसके परिणामस्वरूप आपके कोमल ऊतकों में जलन और सूजन हो जाती है, जिससे आपके जोड़ों में तरल पदार्थ का विस्तार होता है। यह विस्तार आपके जोड़ों के आसपास हो सकता है जो आसानी से आपकी नसों में जलन पैदा कर सकता है और ट्रिगर कर सकता है, जिसके परिणामस्वरूप आपके जोड़ों के आसपास तीव्र दर्द हो सकता है।

गर्म रहें : मानसून के मौसम में तापमान में अचानक उतार-चढ़ाव होता है, जो किसी के जोड़ों के स्वास्थ्य पर असर डाल सकता है। ऐसा कहा जाता है कि बरसात के मौसम में वायुमंडलीय दबाव सीधे तौर पर जोड़ों और मांसपेशियों में तीव्र दर्द का कारण बनता है। जब मौसम में अनिश्चितता हो तो गर्म और आरामदायक रहना आवश्यक हो जाता है, अपने आप को गर्म मोजे और दस्ताने के साथ पूरी आस्तीन वाली टी-शर्ट और लंबी पैंट से ढकें। नियमित रूप से गर्म पानी से नहाने से बारिश के मौसम में जोड़ों के दर्द से राहत मिल सकती है।

अपने शरीर को गतिशील रखें : पूरे दिन व्यायाम या शारीरिक गतिविधियों में व्यस्त न रहने से जोड़ों के दर्द को बढ़ावा मिल सकता है, जिससे मानसून के दौरान वे कठोर और दर्दनाक हो सकते हैं। इसलिए, योग, ध्यान, दौड़ना, लंबी सैर, वर्कआउट, तैराकी और साइकिलिंग जैसी शारीरिक गतिविधियों या व्यायामों में शामिल होकर अपनी गतिशीलता बनाए रखना महत्वपूर्ण हो जाता है।

स्वस्थ भोजन खाना : मानसून के मौसम में जोड़ों से संबंधित समस्याओं को हल करने के लिए स्वस्थ भोजन खाना फायदेमंद हो सकता है। ऐसे फल और सब्जियां खाने की कोशिश करें जो एंटीऑक्सिडेंट, विटामिन-ई और पोषक तत्वों से भरपूर हों क्योंकि ये गुण सूजन को कम करने में मदद करते हैं और धीरे-धीरे दर्द को कम करते हैं। गर्म सब्जियों का सूप पीना न केवल आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए बल्कि आपके जोड़ों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है।

दर्द को नजरअंदाज न करें : लोग अक्सर अपने दर्द को यह मानकर नजरअंदाज कर देते हैं कि यह सामान्य दर्द है जो कुछ समय बाद अपने आप ठीक हो जाएगा। इससे आपके लक्षण बदतर हो सकते हैं और दर्द बढ़ सकता है। इसलिए, जब दर्द असहनीय हो जाए और एक सप्ताह से अधिक समय तक बना रहे तो तुरंत अपने डॉक्टर से परामर्श करना आवश्यक हो जाता है ताकि आगे किसी भी जटिलता से बचा जा सके।

सावन में पहने एवरग्रीन लहरिया साड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। साड़ी कई सारे मौकों पर वियर करने के लिए बेस्ट ऑप्शन है। वहीं इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस की लहरिया साड़ी दिखा रहे हैं, जिन्हें आप कई सारे मौकों पर वियर कर सकती हैं।

साड़ी एवरग्रीन फैशन है और कई सारे मौके पर महिलाएं साड़ी वियर करना पसंद करती हैं। साड़ी आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करती है और अगर आप सावन के मौके पर साड़ी पहन रही हैं साथ ही सबसे अलग नजर आना चाहती हैं तो आप ये लहरिया साड़ी वियर कर सकती हैं।

इस आर्टिकल में हम आपको कुछ लेटेस्ट डिजाइंस वाली लहरिया साड़ी दिखा रहे हैं, जिन्हें आप सावन के मौके पर पहन सकती हैं।

सिल्क जॉर्जेट लहरिया साड़ी: इस तरह सिल्क जॉर्जेट लहरिया साड़ी आप सावन के मौके पर पहन सकती हैं। इस तरह की साड़ी में आप खूबसूरत लगेंगी और साथ ये आपको नया लुक भी देगा। वहीं इस तरह की साड़ी को आप ऑनलाइन और ऑफलाइन खरीद सकती हैं जो कि आपको 1000 से 5000 तक की कीमत में मिल जाएंगी। इस साड़ी में अपना लुक कंप्लीट करने के लिए आप फुटवियर में हील्स साथ ही पर्ल वर्क वाली ज्वेलरी स्टाइल कर सकती हैं।

मिरर वर्क लहरिया साड़ी : यह मिरर वर्क लहरिया साड़ी भी आप सावन के मौके साथ ही किसी खास इवेंट के दौरान भी वियर कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी को आप स्लीवलेस ब्लाउज के साथ ही वियर कर सकती हैं। यह साड़ी को आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन मिल जाएंगी । ऐसी साड़ी के साथ फुटवियर में आप फ्लैट्स, साथ ही झुमके इस आउटफिट के साथ वियर कर सकती हैं।

कोटा वर्क लहरिया साड़ी : अगर लाइट कलर में लुक पहनने का सोच रही हैं, तो आप इस तरह की कोटा वर्क लहरिया साड़ी वियर कर सकती हैं। इस साड़ी में कोटा वर्क किया गया हैं और इस तरह की साड़ी को गोल्डन या सिल्वर कलर के ब्लाउज के साथ वियर कर सकती हैं। इस साड़ी के साथ फुटवियर में जूती और कुंदन वर्क वाली ज्वेलरी पहन सकती हैं।

फेसबुक सर्विस हुई ठप हजारों यूजर्स परेशान

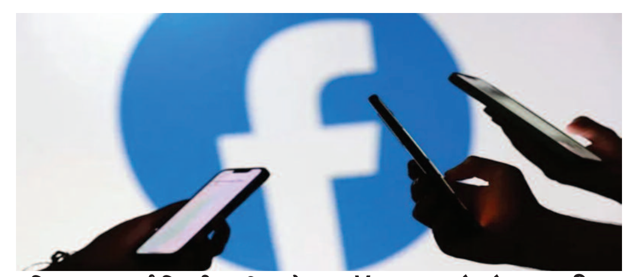

लॉग-इन से लेकर फीड अपडेट तक आई समस्या

वेबसाइट और ऐप इस्तेमाल में दिक्कतें बढ़ीं

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया के सबसे बड़े सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में शामिल फेसबुक रविवार को अचानक ठप हो गया। दुनियाभर के हजारों यूजर्स ने फेसबुक इस्तेमाल करने में परेशानी की शिकायत की। कई लोगों ने बताया कि वे अपने अकाउंट में लॉगइन नहीं कर पा रहे हैं, जबकि कुछ यूजर्स के लिए वेबसाइट और ऐप ठीक से काम नहीं कर रही है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 19 जुलाई को फेसबुक से जुड़ी समस्याओं की शिकायतें अचानक बढ़ गईं। यूजर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर अपनी परेशानी साझा की। कुछ लोगों ने बताया कि फेसबुक खोलने पर पेज लोड नहीं हो रहा है, वहीं कई यूजर्स की न्यूज फीड अपडेट नहीं हो रही है। कई यूजर्स को अकाउंट एक्सेस करने में परेशानी हुई। कुछ लोगों ने पासवर्ड डालने के बाद भी लॉगइन नहीं होने की शिकायत की। वहीं, कुछ यूजर्स ने बताया कि फेसबुक वेबसाइट पर लगातार एरर दिखाई दे रहा था।

फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा की दूसरी सोशल मीडिया सेवा इंस्टाग्राम को लेकर भी कुछ यूजर्स ने परेशानी की जानकारी दी। हालांकि, सभी यूजर्स को एक जैसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा। कई लोगों ने कहा कि ऐप पर कम और वेब प्लेटफॉर्म पर ज्यादा परेशानी देखने को मिली।

तकनीकी समस्याओं के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। आमतौर पर इस तरह की दिक्कतें सर्वर समस्या, नेटवर्क में गड़बड़ी या किसी तकनीकी अपडेट के दौरान आ सकती हैं। फेसबुक दुनिया के सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जाने वाले सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म में शामिल है। ऐसे में कुछ समय के लिए भी इसकी सेवा प्रभावित होने से बड़ी संख्या में यूजर्स प्रभावित हो जाते हैं।

फिलहाल यूजर्स कंपनी की ओर से आधिकारिक अपडेट का इंतजार कर रहे हैं। मेटा की तरफ से समस्या को लेकर विस्तृत जानकारी सामने आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि फेसबुक सेवा बाधित होने की असली वजह क्या थी और इसे कितने समय में पूरी तरह ठीक किया गया।

मालदीव-पेरिस कुछ भी नहीं है इन खूबसूरत जगहों के सामने

हनीमून के लिए यह डेस्टिनेशन आपका मन मोह लेंगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप भी हनीमून के लिए विदेश जाना चाहते हैं। लेकिन ऐसी जगह की तलाश कर रहे हैं जो बेहद खूबसूरत और अलग हो, तो यह आर्टिकल सिर्फ आपके लिए ही है। हम आपको बताएंगे हनीमून के लिए सबसे बेस्ट जगहें। आमतौर पर शादी के बाद कपल्स को सबसे ज्यादा इंतजार हनीमून ट्रिप का रहता है। इस दौरान कपल को बिना किसी टेंशन के घूमने और टाइम बिताने का मौका मिलता है। अगर आप अपने हनीमून के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो इससे अच्छा क्या हो सकता है। इस लेख में हम आपको बताएंगे हनीमून के लिए बेस्ट जगहें। जहां आप अपने पार्टनर के साथ इन सुंदर जगहों पर एन्जॉय कर सकते हैं।

ग्रीस: अगर आप किसी कोई खूबसूरत जगह की तलाश कर रहे हैं, तो आप ग्रीस जाने का प्लान बना सकते हैं। यह जगह इतनी सुंदर है कि आप पेरिस और मालदीव जाना कैंसिल कर देंगे।

बता दें, यहां आपको हर एक घर में एक ही कलर नजर आएगा। खुला साफ आसमान और सफेद-नीले रंग के घर बेहद खूबसूरत लगते हैं। यहां आप अपने पार्टनर के साथ घूमने जरूर जाएं।

वेनिस: अगर आपको किसी शानदार और रॉयल जगह पर घूमने का मन है तो आप वेनिस जाने का प्लान बना सकते हैं। इटली में स्थित इस जगह को रोमांटिक जगहों में से एक माना जाता है। अगर आप यहां जा रहे हैं, तो आपको सेंट मार्क स्क्वायर घूम सकते हैं। इतना ही नहीं आप रियोल्टो ब्रिज भी घूमने जा सकते हैं। सबसे खास बात कि आपको इस शहर में कहीं भी घूमने के लिए नाव की सवारी करनी पड़ेगी।

ऐसी जगह किसी भी कपल की पहली पसंद होती है। इसकी खूबसूरती का नजारा कहीं देखने को नहीं मिलती है।

क्राबी: अगर आप अपने पार्टनर के साथ मालदीव जैसी जगह पर जाना चाहते हैं , तो आप क्राबी जा सकते हैं। क्राबी द्वीप एक सबसे सुंदर जगह है, जो हर कपल को पसंद आएगी। आप ने अक्सर सोशल मीडिया पर इन जगहों की तस्वीरें देखी होंगी।

सुविचार

अच्छे संस्कार इंसान को जीवन में महान पहचान दिलाते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	सप्तमी	03:30-04:03 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	हस्त	06:11-07:09 तक	माह	आषाढ़
सूर्योदय		5:40 AM	चन्द्रोदय	11:29 AM
सूर्यास्त		7:10 PM	चंद्रास्त	11:07 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	कन्या राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:52 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		07:21 PM: 09:03 PM	वार	सोमवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कल कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। नई योजनाओं पर काम शुरू होगा। परिवार का सहयोग मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

वृषभः मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। निवेश में लाभ के संकेत हैं। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा और पुराने मित्रों से मुलाकात होगी।

मिथुनः कल निर्णय सोच–समझकर लें। व्यापार में लाभ मिलेगा। परिवार में खुशियां रहेंगी और रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं।

कर्कः मन प्रसन्न रहेगा और आत्मविश्वास बढ़ेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। धन लाभ के अवसर बनेंगे।

सिंहः कल आपकी प्रतिभा की प्रशंसा होगी। कार्यों में सफलता मिलेगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी और परिवार में सुख–शांति रहेगी।

कन्याः योजनाओं को पूरा करने का अच्छा समय है। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरूरी होगा।

तुलाः कल रिश्तों में मधुरता आएगी। करियर में आगे बढ़ने के अवसर मिलेंगे। धन संबंधी मामलों में लाभ होगा।

वृश्चिकः मेहनत से सफलता मिलेगी। नए अवसर प्राप्त होंगे। परिवार के साथ समय बिताने से मानसिक शांति मिलेगी।

धनुः कल भाग्य आपका साथ देगा। कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी। यात्रा के योग बन सकते हैं और लाभ मिलेगा।

मकरः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। पुराने विवाद समाप्त हो सकते हैं। नई जिम्मेदारियां मिलेंगी और सफलता प्राप्त होगी।

कुंभः रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। निवेश से जुड़े फैसले सोच–समझकर लेना लाभकारी रहेगा।

मीनः कल मन शांत रहेगा। परिवार में खुशियां आएंगी। कार्यक्षेत्र में सम्मान मिलेगा और नए अवसर प्राप्त होंगे।

सांवलिया सेठ के दरबार में बरसी लक्ष्मी, चढ़ावे ने बनाया नया रिकॉर्ड

पांच चरणों में मिला 29 करोड़ से ज्यादा चढ़ावा

व्यापारी मुनाफे का हिस्सा श्रद्धापूर्वक करते अर्पित

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के मंडफिया स्थित प्रसिद्ध श्री सांवलिया सेठ मंदिर में एक बार फिर श्रद्धालुओं की अटूट आस्था देखने को मिली। मंदिर के मासिक भंडारे की गणना के पांच चरण पूरे होने तक 29 करोड़ 15 लाख 13 हजार रुपये की नकद राशि सामने आ चुकी है। अंतिम चरण की गणना के बाद यह आंकड़ा और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। मंदिर प्रशासन के अनुसार, आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी के अवसर पर परंपरा के अनुसार दानपात्र खोला गया। गणना की शुरुआत अमावस्या से एक दिन पहले की गई थी। पहले चरण में 10 करोड़ 11 लाख 83 हजार रुपये, दूसरे में 6 करोड़ 49 लाख रुपये, तीसरे चरण में 7 करोड़ 63 लाख 30 हजार रुपये, चौथे चरण में 3 करोड़ 1 लाख रुपये और पांचवें चरण में 1 करोड़ 90 लाख रुपये की गिनती पूरी हुई। अब तक कुल 29.15 करोड़ रुपये की नकद राशि दर्ज की जा चुकी है। पूरी गणना प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए नोटों की गिनती सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में की जा रही है। इस दौरान बैंक अधिकारियों, मंदिर मंडल के प्रतिनिधियों और कर्मचारियों की मौजूदगी सुनिश्चित की गई है। छठे चरण में शेष नकदी की गिनती के साथ श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए सोने–चांदी के आभूषणों, बहुमूल्य वस्तुओं और भेंट कक्ष में जमा सामग्री का भी विस्तृत लेखा–जोखा तैयार किया जाएगा। इसके बाद मासिक भंडारे की कुल आय का अंतिम आंकड़ा जारी होगा।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

श्री सांवलिया सेठ मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां देशभर से आने वाले श्रद्धालु अपनी श्रद्धा के अनुसार नकद राशि, आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुएं अर्पित करते हैं।

विशेष रूप से व्यापारिक समुदाय में सांवलिया सेठ को लेकर गहरी आस्था है। बड़ी संख्या में व्यापारी उन्हें अपना 'बिजनेस पार्टनर' मानते हैं और व्यापार में लाभ होने पर मुनाफे का एक निश्चित हिस्सा मंदिर में समर्पित करते हैं।

श्रावण मास के आगमन और धार्मिक आयोजनों को देखते हुए आने वाले दिनों में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। ऐसे में माना जा रहा है कि अंतिम गणना के बाद इस बार का कुल चढ़ावा पिछले कई रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ सकता है।

घर में लगाएं ये पौधे, बढ़ेगी सुख–समृद्धि और खुशहाली

सही दिशा में पौधे बढ़ाते सकारात्मक ऊर्जा हमेशा

वास्तु अनुसार हरियाली संग घर आएगी समृद्धि भी

यूनिक समय, मथुरा। घर में पौधे लगाने से केवल हरियाली और ताजगी ही नहीं बढ़ती, बल्कि वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ विशेष पौधे सकारात्मक ऊर्जा, सुख–समृद्धि और आर्थिक उन्नति के प्रतीक भी माने जाते हैं। मान्यता है कि यदि इन्हें सही दिशा में लगाया जाए तो घर का वातावरण अधिक शुभ और संतुलित बना रहता है। हालांकि, ये मान्यताएं वास्तु परंपरा पर आधारित हैं। एरिका पाम को सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। वास्तु के अनुसार इसे घर की पूर्व, उत्तर या उत्तर–पूर्व दिशा में रखना शुभ माना जाता है। यह पौधा घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ वातावरण को भी ताजगी प्रदान करता है। मनी प्लांट को धन और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि इसे घर की दक्षिण–पूर्व दिशा में लगाने से आर्थिक उन्नति और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यही कारण है कि यह सबसे लोकप्रिय इंडोर पौधों में शामिल है। एलोवेरा औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। वास्तु मान्यता के अनुसार इसे पूर्व या उत्तर दिशा में रखने से घर में सकारात्मक वातावरण और आर्थिक स्थिरता बनी रहती है। यह स्वास्थ्य और हरियाली दोनों का प्रतीक माना जाता है। बैंबू प्लांट को सौभाग्य, शांति और समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। इसे पूर्व या उत्तर–पूर्व दिशा में रखना शुभ बताया गया है। घर और कार्यालय दोनों जगह यह पौधा आकर्षक होने के साथ शुभता का संकेत भी माना जाता है। तुलसी हिंदू परंपरा में अत्यंत पूजनीय पौधा है। मान्यता है कि इसे उत्तर, पूर्व या उत्तर–पूर्व (ईशान कोण) में लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा, आध्यात्मिक वातावरण और सुख–शांति बनी रहती है। यदि आप वास्तु सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं, तो इन पौधों को उचित दिशा में लगाकर घर की सुंदरता के साथ सकारात्मक माहौल भी बढ़ा सकते हैं। नियमित देखभाल और स्वच्छ वातावरण किसी भी पौधे को स्वस्थ रखने के लिए सबसे अधिक आवश्यक है।

चाणक्य नीति: धन, स्वास्थ्य और अपने लोग ही सच्चे साथी

मुश्किल समय में यही देते हैं सहारा

जीवन में इनका महत्व सबसे खास

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य ने अपनी नीतियों में जीवन से जुड़ी कई महत्वपूर्ण बातें बताई हैं। चाणक्य के अनुसार, इंसान के जीवन में सच्चे मित्रों की संख्या बहुत कम होती है, लेकिन कुछ चीजें ऐसी होती हैं जो हर परिस्थिति में साथ निभाती हैं।

चाणक्य नीति में बताया गया है कि धन, अच्छे संबंध और स्वास्थ्य व्यक्ति के सबसे बड़े सहायक होते हैं। धन मुश्किल समय में आर्थिक मजबूती देता है और परेशानियों से निकलने में मदद करता है। इसलिए व्यक्ति को अपनी कमाई का एक हिस्सा भविष्य के लिए बचाकर रखना चाहिए।

चाणक्य कहते हैं कि परिवार और करीबी लोग भी जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होते हैं। अच्छे समय में साथ देने वाले बहुत मिल जाते हैं, लेकिन कठिन दौर में जो लोग साथ खड़े रहते हैं, वही सच्चे साथी होते हैं।

इसके अलावा चाणक्य ने अच्छे स्वास्थ्य को सबसे बड़ा धन बताया है। स्वस्थ शरीर के बिना जीवन की खुशियां अधूरी रह जाती हैं। इसलिए धन कमाने के साथ–साथ रिश्तों को मजबूत रखना और सेहत का ध्यान रखना भी जरूरी है।

घर की दीवारें बदलेंगी किस्मत, लगाएं यह पांच तस्वीरें

यूनिक समय, मथुरा। घर की दीवारों पर लगी तस्वीरें केवल सजावट का साधन नहीं होतीं, बल्कि वास्तु शास्त्र में इन्हें सकारात्मक ऊर्जा और शुभता का माध्यम भी माना गया है। मान्यता है कि यदि कुछ विशेष चित्रों को सही दिशा में लगाया जाए तो घर का वातावरण सुखद, शांत और ऊर्जावान बना रहता है। हालांकि, ये मान्यताएं वास्तु परंपरा पर आधारित हैं और इनके प्रभाव को लेकर वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

सात घोड़ों की यह तस्वीर वास्तु में सफलता, प्रगति और आत्मविश्वास का प्रतीक मानी जाती है। तस्वीर में सात सफेद घोड़े खुले मैदान या जल के किनारे दौड़ते हुए दिखाई दें। इसे घर या कार्यालय की पूर्व अथवा दक्षिण दिशा में लगाना शुभ माना जाता है। ऐसी तस्वीर जीवन में गति, ऊर्जा और नए अवसरों का संकेत मानी जाती है।

बहते झरने की तस्वीर मानसिक शांति और सकारात्मक प्रवाह का प्रतीक मानी जाती है। इसे घर के लिविंग रूम की उत्तर, पूर्व या उत्तर–पूर्व दिशा में लगाना शुभ बताया गया है। वास्तु के अनुसार बहता जल नई ऊर्जा और तरक्की का संकेत देता है। इसे बेडरूम, रसोई या बाथरूम में लगाने से बचने की

सही दिशा में तस्वीरें बढ़ाती सकारात्मक ऊर्जा और समृद्धि

वास्तु अनुसार शुभ चित्रों से खिलता पारिवारिक सौभाग्य हमेशा

सलाह दी जाती है।

भगवान गणेश की तस्वीर घर में मंगल, बुद्धि और विघ्नों के निवारण का प्रतीक मानी जाती है। वास्तु के अनुसार बाईं ओर मुड़ी सूंड वाले गणेशजी का चित्र शुभ माना जाता है। उनकी तस्वीर का मुख उत्तर या पूर्व दिशा की ओर होना बेहतर माना जाता है।

पहाड़ों की तस्वीर जीवन में स्थिरता, सुरक्षा और मजबूती का संदेश देती है। इसे दक्षिण, दक्षिण–पश्चिम, पूर्व या उत्तर–पूर्व दिशा में लगाने की परंपरागत सलाह दी जाती है। यह करियर, व्यापार और पारिवारिक जीवन में संतुलन का प्रतीक मानी जाती है।

मोर की तस्वीर सौंदर्य, सौभाग्य और पारिवारिक सद्भाव का प्रतीक मानी जाती है। उत्तर या उत्तर–पूर्व दिशा में जोड़े या समूह में मोरों की तस्वीर लगाने से घर में सकारात्मक वातावरण और आपसी प्रेम बढ़ने की मान्यता है। यदि आप वास्तु सिद्धांतों में विश्वास रखते हैं, तो इन चित्रों को सही दिशा में लगाकर घर की सुंदरता के साथ सकारात्मक माहौल भी बना सकते हैं।

सम्पादकीय

इसरो छोड़ते रहे वैज्ञानिक, आखिर किस कक्षा में देश भटकेगा

भारत में अक्सर यह माना जाता है कि प्रतिभा को सबसे बड़ा सम्मान देश की सर्वोच्च संस्थाओं में मिलता है। लेकिन जब वही प्रतिभाएं एक–एक कर उन संस्थानों को छोड़ने लगें, तो सवाल केवल नौकरी का नहीं, बल्कि व्यवस्था की प्राथमिकताओं का भी बन जाता है। इसरो से वैज्ञानिकों का इस्तीफा या स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति इसी चिंता की ओर इशारा करती है।

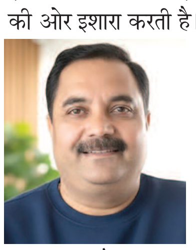

पवन गौतम
संपादक

यह विडंबना ही है कि जिस संस्थान ने चंद्रयान और मंगलयान जैसे मिशनों से पूरी दुनिया को भारत की वैज्ञानिक क्षमता का लोहा मनवाया, आज वहीं अपने अनुभवी वैज्ञानिकों को रोकने की चुनौती से जूझ रहा है। कभी इसरो में नियुक्ति मिलना किसी वैज्ञानिक के लिए सम्मान का सर्वोच्च क्षण माना जाता था, लेकिन अब निजी कंपनियों के आकर्षक पैकेज उस गौरव पर भारी पड़ते दिखाई दे रहे हैं।

निजी क्षेत्र का विस्तार गलत नहीं है। प्रतिस्पर्धा नवाचार को जन्म देती है, लेकिन सवाल तब उठता है जब निजी संस्थान तैयार प्रतिभा को सीधे अपने पाले में ले जाने को ही विकास का सबसे आसान रास्ता मान लें। इसे कुछ वैसा ही समझिए जैसे पड़ोसी ने अपने खेत में बीज बोने के बजाय आपकी तैयार फसल काट ली और फिर खुद को सबसे बड़ा किसान घोषित कर दिया।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

सरकार ने इस्तीफों पर अंतिम निर्णय का अधिकार मंत्रालय को देकर प्रशासनिक नियंत्रण तो मजबूत कर दिया, लेकिन क्या केवल फाइलें रोक देने से वैज्ञानिकों के मन भी रुक जाएंगे? प्रतिभा आदेशों से नहीं, अवसरों और सम्मान से जुड़ी रहती है। यदि शोध का वातावरण, आधुनिक संसाधन और प्रतिस्पर्धी प्रोत्साहन नहीं मिलेगा, तो प्रतिभा वहां जाएगी जहां उसे बेहतर भविष्य दिखाई देगा। इसरो केवल एक संस्थान नहीं, बल्कि भारत की वैज्ञानिक पहचान है। यदि उसकी चमक कमजोर हुई तो नुकसान किसी विभाग का नहीं, बल्कि पूरे देश का होगा। इसलिए जरूरत इस्तीफे रोकने की नहीं, बल्कि ऐसे माहौल की है जहां वैज्ञानिकों को लगे कि उनका भविष्य भी उतना ही उज्ज्वल है, जितना उनके बनाए रॉकेट का प्रक्षेप पथ।

व्यंग्य यही है कि हम अंतरिक्ष में करोड़ों किलोमीटर दूर यान भेजने की क्षमता रखते हैं, लेकिन अपने ही वैज्ञानिकों के मन की दूरी मापने का कोई यंत्र अब तक नहीं बना पाए। जिस दिन यह दूरी बढ़ गई, उस दिन सबसे बड़ा 'लॉन्च फेल्योर' किसी रॉकेट का नहीं, बल्कि हमारी नीतियों का होगा।

नजरिया

जेल की सलाखों के पीछे कैसे पनपा भ्रष्टाचार का साम्राज्य

बोध प्रकाश सगुणी

जेल को समाज में कानून का सबसे सख्त प्रहरी माना जाता है। यहां उन लोगों को रखा जाता है जिन्होंने कानून का उल्लंघन किया है और जिन पर न्यायिक प्रक्रिया चल रही होती है या जिन्हें सजा सुनाई जा चुकी होती है। लेकिन यदि वही जेल व्यवस्था अपराधियों के लिए सुविधाओं का केंद्र और भ्रष्टाचार का अड्डा बन जाए, तो यह केवल एक विभाग की विफलता नहीं, बल्कि पूरे न्याय तंत्र के लिए गंभीर चिंता का विषय बन जाता है।

दिल्ली की रोहिणी जेल से जुड़े कथित रंगदारी और रिश्वतखोरी के मामले में जेल अधिकारियों, एक अधिवक्ता और एक निजी व्यक्ति की गिरफ्तारी ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आखिर जेलों के भीतर ऐसा संगठित तंत्र कैसे विकसित हो जाता है, जो कानून के संरक्षण में रहने के बजाय कानून को ही चुनौती देने लगता है। अदालत द्वारा आरोपितों को न्यायिक हिरासत में भेजते समय साक्ष्यों से छेड़छाड़ और गवाहों को प्रभावित करने की आशंका व्यक्त करना भी इस मामले की गंभीरता को दर्शाता है। हालांकि, आरोप अभी न्यायिक प्रक्रिया के अधीन हैं और अंतिम निष्कर्ष अदालत के निर्णय के बाद ही तय होंगे। भारतीय जेलों का उद्देश्य केवल अपराधियों को बंद रखना नहीं है। उनका सबसे बड़ा लक्ष्य सुधार, पुनर्वास और अपराध की पुनरावृत्ति को रोकना है। लेकिन जब जेलों के भीतर रिश्वत लेकर सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, प्रभावशाली कैदियों को विशेष व्यवहार मिले या अपराधी गिरोह जेल से ही अपने नेटवर्क का संचालन करें, तब जेल सुधार का पूरा उद्देश्य कमजोर पड़ जाता है।

यह पहली बार नहीं है जब किसी जेल में भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हों। देश के विभिन्न राज्यों में समय–समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती रही हैं, जिनमें मोबाइल फोन, नशीले पदार्थ, हथियार, वीआईपी सुविधाएं और अवैध वसूली जैसे मामलों ने जेल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि समस्या किसी एक जेल या एक राज्य तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यवस्था में मौजूद कमजोरियों का परिणाम भी हो सकती है। जेलों में भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी वजह जवाबदेही की कमी मानी जाती है। यदि निगरानी तंत्र मजबूत न हो, निरीक्षण केवल औपचारिकता बनकर रह जाए और तकनीक का पर्याप्त उपयोग न हो, तो भ्रष्टाचार के लिए अवसर बढ़ जाते हैं। यही कारण है कि विशेषज्ञ लंबे समय से जेलों में डिजिटल निगरानी, पारदर्शी प्रशासन और नियमित ऑडिट की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। आज अधिकांश सरकारी विभागों में ई–गवर्नेंस के माध्यम से पारदर्शिता बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। जेल प्रशासन भी इससे अछूता नहीं रह सकता। कैदियों की गतिविधियों की डिजिटल निगरानी, कर्मचारियों की जवाबदेही, मुलाकात व्यवस्था का तकनीकी प्रबंधन और संवेदनशील क्षेत्रों में आधुनिक सीसीटीवी नेटवर्क जैसी व्यवस्थाएं भ्रष्टाचार की संभावनाओं को काफी हद तक कम कर सकती हैं। इसके साथ ही जेल कर्मचारियों के नियमित स्थानांतरण और स्वतंत्र निरीक्षण प्रणाली को भी मजबूत करने की जरूरत है। यदि कोई कर्मचारी वर्षों तक एक ही स्थान पर कार्यरत रहता है, तो स्थानीय स्तर पर ऐसे संबंध विकसित होने की आशंका बढ़ जाती है जो निष्पक्ष प्रशासन के लिए चुनौती बन सकते हैं।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि जेलों में भ्रष्टाचार केवल प्रशासनिक समस्या नहीं है। इसका सीधा असर समाज की सुरक्षा पर पड़ता है। यदि संगठित अपराध से जुड़े लोग जेल के भीतर से ही रंगदारी, धमकी या आपराधिक गतिविधियों का संचालन करने लगें, तो कानून–व्यवस्था पर जनता का विश्वास कमजोर होता है। जेल का उद्देश्य अपराध पर रोक लगाना है, न कि अपराध को नई ऊर्जा देना। हालांकि, किसी भी मामले में केवल आरोपों के आधार पर दोष तय नहीं किया जा सकता। भारतीय न्याय व्यवस्था का मूल सिद्धांत है कि प्रत्येक व्यक्ति तब तक निर्दोष माना जाता है, जब तक अदालत उसे दोषी घोषित न कर दे। इसलिए इस मामले में भी निष्पक्ष जांच, साक्ष्यों का वैज्ञानिक परीक्षण और न्यायिक प्रक्रिया का सम्मान सर्वोपरि होना चाहिए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि ऐसे मामलों को केवल सनसनीखेज घटनाओं के रूप में न देखा जाए। यदि हर बार किसी बड़े खुलासे के बाद कुछ गिरफ्तारियां हों और फिर व्यवस्था पहले जैसी चलने लगे, तो वास्तविक सुधार संभव नहीं होगा। जरूरत है कि हर ऐसी घटना के बाद उसकी जड़ों तक पहुंचकर संस्थागत सुधार किए जाएं। देश में जेल सुधार को लेकर कई समितियां समय–समय पर सुझाव देती रही हैं। इनमें जेलों के आधुनिकीकरण, कर्मचारियों के प्रशिक्षण, मनोवैज्ञानिक परामर्श, तकनीकी निगरानी और स्वतंत्र निरीक्षण व्यवस्था को मजबूत करने की सिफारिशें शामिल रही हैं। इन सुझावों पर प्रभावी अमल किए बिना जेलों को वास्तव में सुधार गृह बनाना कठिन होगा। जेल प्रशासन में कार्यरत अधिकांश अधिकारी और कर्मचारी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं। इसलिए कुछ व्यक्तियों पर लगे आरोपों के आधार पर पूरे तंत्र की निष्ठा पर प्रश्नचिन्ह लगाना उचित नहीं होगा। लेकिन जहां कहीं भ्रष्टाचार के प्रमाण मिलें, वहां सख्त और निष्पक्ष कार्रवाई भी उतनी ही जरूरी है, ताकि ईमानदार अधिकारियों का मनोबल बना रहे और व्यवस्था पर जनता का भरोसा मजबूत हो। लोकतंत्र की मजबूती केवल अच्छे कानून बनाने से नहीं आती, बल्कि उन कानूनों के निष्पक्ष पालन से आती है। जेल व्यवस्था न्याय प्रणाली की अंतिम कड़ी है। यदि यही कड़ी कमजोर पड़ जाए, तो अपराध नियंत्रण की पूरी प्रक्रिया प्रभावित होती है। दिल्ली की इस घटना ने एक बार फिर संकेत दिया है कि जेलों में पारदर्शिता, जवाबदेही और आधुनिक निगरानी व्यवस्था को प्राथमिकता देने का समय आ चुका है। भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए केवल गिरफ्तारी पर्याप्त नहीं, बल्कि ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करनी होंगी जिनमें भ्रष्टाचार पनपने की संभावना ही न्यूनतम रह जाए। अंततः किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपने न्याय संस्थानों को कितना निष्पक्ष, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाए रखता है। जेलें यदि वास्तव में सुधार गृह बनेंगी, तभी न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता और समाज का विश्वास दोनों मजबूत होंगे।

विचार विंडो

भोजशाला से ज्ञानवापी तक संवाद बने समाधान की राह

राम प्रकाश वर्मा

भारत की सांस्कृतिक विरासत केवल इमारतों, मंदिरों, मस्जिदों या स्मारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह विविध परंपराओं, आस्थाओं और सह–अस्तित्व की भावना से निर्मित हुई है। ऐसे में जब भोजशाला और ज्ञानवापी जैसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थलों को लेकर विवाद सामने आते हैं, तो यह केवल कानूनी या धार्मिक विषय नहीं रह जाता, बल्कि सामाजिक सौहार्द, इतिहास और संवैधानिक मूल्यों से जुड़ा व्यापक प्रश्न बन जाता है।

धार स्थित भोजशाला और वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर को लेकर वर्षों से न्यायालयों में सुनवाई चल रही है। इन मामलों में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (अरक) की रिपोर्ट, ऐतिहासिक दस्तावेज और विभिन्न पक्षों के दावे चर्चा का केंद्र बने हुए हैं। एक पक्ष का मानना है कि इन स्थलों के मूल स्वरूप से जुड़े पर्याप्त ऐतिहासिक और पुरातात्विक संकेत उपलब्ध हैं, जबकि दूसरा पक्ष अपने धार्मिक अधिकारों और कानूनी दावों को सामने रखता है। अंतिम निर्णय न्यायपालिका के अधिकार क्षेत्र में है और सभी पक्षों को उसका सम्मान करना होगा।

भारत का इतिहास बताता है कि अनेक धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल समय के साथ विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक परिवर्तनों से प्रभावित हुए हैं। इसी कारण कई स्थानों के इतिहास को लेकर अलग–अलग व्याख्याएं सामने आती रही हैं। ऐसे मामलों में भावनाओं के बजाय तथ्यों, शोध और न्यायिक प्रक्रिया को महत्व देना लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

भोजशाला का उल्लेख परमार वंश के राजा भोज से जुड़ी ऐतिहासिक धरोहर के रूप में किया जाता है। वहीं ज्ञानवापी परिसर को लेकर भी लंबे समय से ऐतिहासिक और धार्मिक दावे किए जाते रहे हैं। इन विवादों ने समय–समय पर सामाजिक और राजनीतिक बहस को भी जन्म दिया है। हालांकि, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि इन विषयों पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी या निष्कर्ष न्यायालय के अंतिम निर्णय से पहले सावधानी और संतुलन के साथ ही प्रस्तुत किए जाएं।

इन विवादों का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इनके समाधान का प्रभाव केवल संबंधित पक्षों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे समाज में विश्वास और सौहार्द के वातावरण पर भी पड़ेगा। यदि समाधान न्यायिक प्रक्रिया के साथ–साथ आपसी संवाद और सहमति के माध्यम से निकलता है, तो यह भारत की लोकतांत्रिक परंपरा और सामाजिक परिपक्वता का उदाहरण बन सकता है।

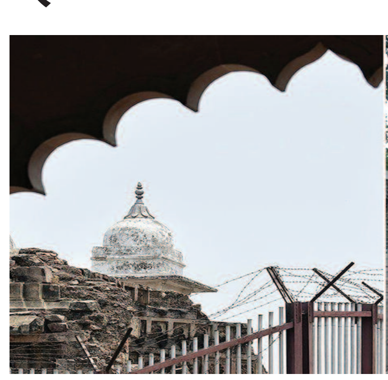

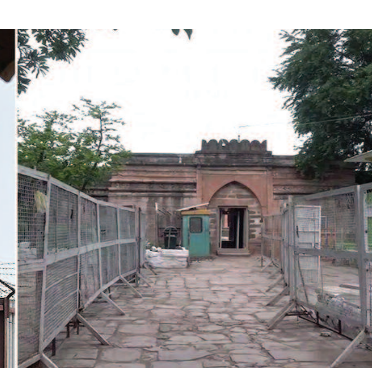

भारतीय समाज की सबसे बड़ी ताकत उसकी विविधता है। यहां अलग–अलग धर्मों, भाषाओं और संस्कृतियों के लोग सदियों से साथ रहते आए हैं। इतिहास में मतभेद भी रहे हैं और संवाद भी। यही संवाद भारत की पहचान रहा है। इसलिए आज भी आवश्यकता इस बात की है कि किसी भी संवेदनशील विषय पर कटुता के बजाय संवाद को प्राथमिकता दी जाए।

धार्मिक नेतृत्व, सामाजिक संगठनों, इतिहासकारों और बुद्धिजीवियों की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे समाज को संयमित और तथ्यपरक दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित करें। किसी भी समुदाय के बारे में व्यापक निष्कर्ष निकालने या पूरे समाज को एक ही दृष्टि से देखने के बजाय यह समझना आवश्यक है कि हर समुदाय के भीतर विविध विचार मौजूद होते हैं। अधिकांश नागरिक शांति, विकास और आपसी सम्मान के साथ जीवन जीना चाहते हैं।

न्यायपालिका का दायित्व उपलब्ध साक्ष्यों, कानून और संविधान के आधार पर निर्णय देना है। इसलिए सभी पक्षों को न्यायिक प्रक्रिया पर विश्वास बनाए रखना चाहिए। यदि किसी पक्ष को किसी निर्णय से असहमति हो, तो संविधान के दायरे में उपलब्ध कानूनी विकल्पों का उपयोग करना लोकतांत्रिक अधिकार है।

साथ ही यह भी आवश्यक है कि न्यायालय के बाहर होने वाली सार्वजनिक चर्चा जिम्मेदार, तथ्यपरक और सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने वाली हो।

भोजशाला और ज्ञानवापी जैसे विवाद हमें यह भी याद दिलाते हैं कि भारत की सांस्कृतिक विरासत केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की साझा जिम्मेदारी भी है। इतिहास से सीख लेकर भविष्य का निर्माण करना ही किसी भी सभ्य समाज की पहचान होती है। यदि हम अतीत के विवादों को वर्तमान की कटुता का कारण बनाने के बजाय आपसी समझ और सम्मान का अवसर बना सकें, तो यही सबसे बड़ी उपलब्धि होगी।

आज आवश्यकता किसी की जीत या हार तय करने की नहीं, बल्कि ऐसा वातावरण बनाने की है जिसमें न्याय, संवैधानिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव–तीनों का सम्मान बना रहे। चाहे समाधान न्यायालय से आए या संवाद की मेज से, उसका उद्देश्य समाज में विश्वास और शांति को मजबूत करना होना चाहिए।

भोजशाला और ज्ञानवापी जैसे विषय केवल इतिहास की बहस नहीं हैं, बल्कि वे भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता की भी परीक्षा हैं। यदि सभी पक्ष संयम, संवेदनशीलता और संविधान के प्रति सम्मान बनाए रखें, तो इन विवादों का समाधान आने वाली पीढ़ियों के लिए एक सकारात्मक मिसाल बन सकता है। अंततः किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति उसके नागरिकों के बीच विश्वास, संवाद और आपसी सम्मान ही होते हैं।

1974 से विजेता टीमों की शान बनी विश्व कप ट्रॉफी

फीफा ट्रॉफी का राज जानिए कितना सोना है इस ट्रॉफी में

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 अपने अंतिम पड़ाव पर पहुंच चुका है। 20 जुलाई की देर रात न्यू जर्सी (न्यूयॉर्क) में खेले जाने वाले फाइनल मुकाबले में डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना और स्पेन विश्व फुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित ट्रॉफी पर कब्जा जमाने के लिए आमने-सामने होंगे।

इस महामुकाबले से पहले एक बार फिर चमचमाती फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी चर्चा का केंद्र बन गई है। करोड़ों फुटबॉल प्रेमी यह जानना चाहते हैं कि आखिर दुनिया की सबसे प्रतिष्ठित खेल ट्रॉफियों में शामिल इस ट्रॉफी की खासियत क्या है और इसमें कितना सोना लगा है।

फीफा के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विश्व कप ट्रॉफी का कुल वजन करीब 6.14 किलोग्राम है। इसे 18 कैरेट सोने से तैयार किया गया है, जिसमें लगभग 5.092 किलोग्राम सोना इस्तेमाल हुआ है। ट्रॉफी के निचले हिस्से में लगी गोल डिस्क पर हर नए विश्व विजेता का नाम अंकित किया जाता है। नया चैंपियन मिलने के बाद पुरानी डिस्क को फीफा संग्रहालय में सुरक्षित रखा जाता है और उसकी जगह नई डिस्क लगा दी जाती है। यही वजह है कि यह ट्रॉफी केवल एक पुरस्कार नहीं, बल्कि फुटबॉल इतिहास की जीवंत विरासत मानी जाती है।

मौजूदा फीफा विश्व कप ट्रॉफी का पहली बार उपयोग 1974 के विश्व कप में किया गया था। तब से लेकर अब तक हर विजेता टीम इसी ट्रॉफी के साथ फोटो सेशन करती है, लेकिन मूल ट्रॉफी हमेशा फीफा के पास ही सुरक्षित रहती है। विजेता टीम को बाद में इसकी आधिकारिक प्रतिकृति प्रदान की जाती है।

फीफा के नियमों के अनुसार बिना दस्ताने मूल ट्रॉफी को केवल फीफा अध्यक्ष, किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष और विश्व कप जीतने वाली टीम के खिलाड़ी ही छू सकते हैं।

फाइनल में अर्जेंटीना और स्पेन की होगी टक्कर

अब सबकी नजरें फाइनल मुकाबले पर हैं, जहां अर्जेंटीना चौथी बार विश्व चैंपियन बनने का सपना लेकर उतरेगा, जबकि स्पेन दूसरी बार खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

लियोनेल मेसी से एक बार फिर बड़ी पारी की उम्मीद होगी, वहीं लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही स्पेनिश टीम को रोकना अर्जेंटीना के लिए आसान नहीं होगा।

विजेता टीम को करीब 481 करोड़ रुपये और उपविजेता को लगभग 260 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिलेगी। ऐसे में इस बार विश्व फुटबॉल का ताज किसके सिर सजेगा, इसका फैसला अब सिर्फ एक मुकाबले की दूरी पर है।

'लॉक अप 2' में फूटेगा लैला का सबसे बड़ा राज

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेटफ्लिक्स का चर्चित रियलिटी शो 'लॉक अपः सच या सजा' एक बार फिर बड़े खुलासे के साथ दर्शकों को चौंकाने के लिए तैयार है। शो के आगामी एपिसोड में कंटेस्टेंट वरुण यादव उर्फ 'लैला' अपनी जिंदगी का ऐसा राज सबके सामने रखने वाले हैं, जिसे उन्होंने पिछले दो हफ्तों से घरवालों से छिपाकर रखा था। मेकर्स द्वारा जारी प्रोमो ने दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा दी है। प्रोमो में शो की होस्ट फराह खान वरुण से सीधे सवाल करती नजर आती हैं और उनसे कहती हैं कि अब सच छिपाने का समय खत्म हो चुका है। इसके बाद घर का माहौल पूरी तरह बदल जाता है और सभी कंटेस्टेंट्स वरुण के खुलासे का बेसब्री से इंतजार करने लगते हैं।

'लॉक अप 2' में शुरुआत से ही इमोशनल पलों, तीखे टास्क, रणनीति और निजी जिंदगी से जुड़े रहस्यों ने दर्शकों को बांधे रखा है। शो के नियमों के तहत कंटेस्टेंट्स को कई बार अपने ऐसे निजी सच बताने पड़ते हैं, जिनके बारे में उनके परिवार या करीबी दोस्तों तक को जानकारी नहीं होती। इसी कड़ी में अब वरुण यादव की बारी आने वाली है। इससे पहले हर्षद चोपड़ा, राम कपूर और आकांक्षा चमोला भी अपने निजी राज साझा कर चुके हैं।

फराह खान के तीखे सवालों के बाद वरुण यादव करेंगे चौंकाने वाला खुलासा

मेकर्स का दावा है कि वरुण का खुलासा इस सीजन के सबसे चर्चित पलों में से एक साबित हो सकता है। सोशल मीडिया पर भी प्रोमो तेजी से वायरल हो रहा है और दर्शक यह जानने को उत्सुक हैं कि आखिर ऐसा कौन-सा सच है, जिसे वरुण इतने दिनों से छिपाए हुए थे। अब देखना दिलचस्प होगा कि उनके इस खुलासे का असर घर के बाकी कंटेस्टेंट्स के रिश्तों और गेम पर क्या पड़ता है।

'चंदू चैंपियन' के अभिनय ने दिलाया राष्ट्रीय सम्मान

'सपना हुआ सच' कार्तिक आर्यन का पहला नेशनल अवॉर्ड

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपने फिल्मी करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में एक और नया मुकाम हासिल कर लिया है।

72वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों में उन्हें फिल्म 'चंदू चैंपियन' में दमदार अभिनय के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेता (बेस्ट एक्टर) का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है। यह उनके करियर का पहला नेशनल फिल्म अवॉर्ड है, जिसे वह दिग्गज अभिनेता ममूटी के साथ साझा करेंगे।

पुरस्कार की घोषणा होते ही कार्तिक की खुशी देखते ही बन रही थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक भावुक वीडियो साझा किया, जिसमें वह लैपटॉप पर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की लाइव घोषणा देख रहे थे। जैसे ही उनके नाम का ऐलान हुआ, वह खुशी से उछल पड़े और परिवार के साथ इस खास पल का जश्न मनाया। वीडियो में उनकी आंखों में खुशी के आंसू भी साफ नजर आए।

कार्तिक ने पोस्ट के साथ लिखा कि वर्षों से देखा गया उनका सपना आखिरकार पूरा हो गया है और यह ऐसा पल है जिसे शब्दों में बयां करना आसान नहीं। उन्होंने इस सम्मान के लिए अपने प्रशंसकों, परिवार और पूरी फिल्म टीम का आभार जताया। फिल्म 'चंदू चैंपियन' में कार्तिक ने भारत के पहले पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता मुरलीकांत पेटकर की भूमिका निभाई थी। इस किरदार के लिए उन्होंने कड़ा शारीरिक और मानसिक प्रशिक्षण लिया था, जिसकी खूब सराहना हुई। फिल्म के निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने भी कार्तिक को बधाई देते हुए कहा कि उनकी मेहनत, समर्पण और शानदार अभिनय ने इस सम्मान को पूरी तरह सार्थक बनाया है। निर्देशक कबीर खान की भी उन्होंने प्रशंसा की। वर्क फ्रंट की बात करें तो कार्तिक आर्यन पिछली बार सुपरहिट फिल्म 'भूल भुलैया 3' में नजर आए थे। आने वाले समय में वह 'नागजिला' और 'कैप्टन इंडिया' जैसी फिल्मों में दिखाई देंगे। नेशनल अवॉर्ड मिलने के बाद अब उनके आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

कैटरीना के बर्थडे की तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

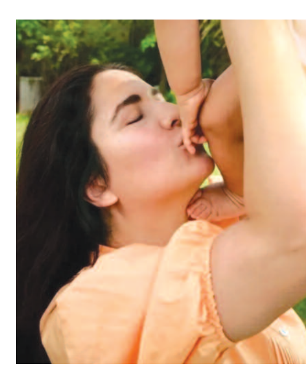

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने अपने 43वें जन्मदिन के खास पल सोशल मीडिया पर साझा कर फैंस का दिल जीत लिया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई पारिवारिक तस्वीरों में कैटरीना पति विक्की कौशल और बेटे विहान के साथ बेहद खुश नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में सबसे ज्यादा चर्चा उस फोटो की हो रही है, जिसमें छोटा विहान अपनी मां की नाक पकड़ता दिखाई दे रहा है। वहीं दो अन्य तस्वीरों में कैटरीना बेटे पर प्यार लुटाती नजर आईं। हालांकि, उन्होंने बेटे का चेहरा सार्वजनिक नहीं किया, जिससे उनकी प्राइवेसी बनाए रखने की कोशिश साफ दिखी।

कैटरीना ने तस्वीरों के साथ एक भावुक नोट भी साझा किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि उनके जीवन का सबसे बड़ा आशीर्वाद उनका परिवार है और यही जन्मदिन उनके लिए सबसे यादगार बन गया। ऑरेंज मैक्सी ड्रेस में कैटरीना का सादगी भरा अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। एक तस्वीर में वह विक्की कौशल के साथ मुस्कुराती नजर आईं, जबकि दूसरी तस्वीर में दोनों के बीच की शानदार केमिस्ट्री ने सोशल मीडिया पर खूब सुर्खियां बटोरीं।

बेटे विहान संग खास पल किए साझा

विक्की कौशल के साथ रोमांटिक तस्वीरें भी हुईं वायरल

इससे पहले विक्की कौशल ने भी 16 जुलाई को पत्नी के जन्मदिन पर खास पोस्ट शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी थीं। अब कैटरीना की इन तस्वीरों पर फैंस और बॉलीवुड सितारे लगातार प्यार बरसा रहे हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो कैटरीना आखिरी बार 'मेरी क्रिसमस' में विजय सेतुपति के साथ नजर आई थीं, जबकि विक्की कौशल जल्द ही संजय लीला भंसाली की 'लव एंड वॉर' और अमर कौशिक की 'महावतार' में दिखाई देंगे। परिवार संग बिताए गए इन खास पलों ने एक बार फिर कैटरीना और विक्री की जोड़ी को सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बना दिया है।

रोहित-कोहली ने रचा इतिहास, 400 मैच साथ खेलने वाली पहली जोड़ी

यूनिक समय, नई दिल्ली। लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर भारत के स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में मैदान पर उतरते ही दोनों 400 अंतरराष्ट्रीय मैच एक साथ खेलने वाली भारत की पहली जोड़ी बन गए। करीब 18 वर्षों से भारतीय क्रिकेट की धुरी रहे इन दोनों खिलाड़ियों ने पहले ही सचिन तेंदुलकर और राहुल द्रविड़ के 391 मैचों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया था, जबकि अब 400 मैचों का आंकड़ा छूकर नया इतिहास रच दिया है। विश्व क्रिकेट में सबसे अधिक मैच साथ खेलने का रिकॉर्ड श्रीलंका के कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने के नाम है, जिन्होंने 550 मुकाबले एक साथ खेले हैं। इस सूची में रोहित और विराट की जोड़ी अब सातवें स्थान पर पहुंच गई है। रोहित शर्मा ने 2007 और विराट कोहली ने 2008 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। तब से दोनों भारतीय टीम की बल्लेबाजी की सबसे मजबूत जोड़ी रहे हैं और उनकी मौजूदगी में भारत ने टी20 विश्व कप, वनडे विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जैसे बड़े खिताब अपने नाम किए। दोनों खिलाड़ी अब टेस्ट और टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और केवल वनडे प्रारूप में टीम इंडिया का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

लॉर्ड्स में बना नया इतिहास

इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा वनडे सीरीज में रोहित शर्मा अब तक बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं हुए हैं और दो मैचों में केवल 37 रन बना सके हैं। वहीं विराट कोहली ने पहले मुकाबले में निराश करने के बाद दूसरे वनडे में 65 रन की शानदार पारी खेलकर लय हासिल की। ऐसे में लॉर्ड्स में रिकॉर्ड बनाने के साथ-साथ भारतीय प्रशंसकों को दोनों दिग्गजों से मैच जिताऊ प्रदर्शन की भी उम्मीद रहेगी।

आपदा प्रबंधन बने हर व्यक्ति की जिम्मेदारी : सीएम योगी

यूनिक समय, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नवीन मुख्यालय भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन को केवल सरकारी विभागों की जिम्मेदारी नहीं समझना चाहिए, बल्कि इसे आम लोगों के दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा आने से पहले की तैयारी, सतर्कता और जागरूकता से जनहानि और संपत्ति के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि छोटी-सी सावधानी और सही समय पर लिया गया निर्णय बड़ी आपदा के प्रभाव को रोक सकता है। योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में खराब मौसम के कारण प्रदेश में हुई 111 लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि लखनऊ समेत फतेहपुर, प्रयागराज, जौनपुर और आजमगढ़ जैसे जिलों में अचानक बदले मौसम के कारण हुए

नए मुख्यालय भवन का हुआ भव्य लोकार्पण

तैयारी और सतर्कता से कम होगा नुकसान

हादसों को बेहतर समन्वय और समय रहते चेतावनी से कम किया जा सकता था। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में अर्ली वार्निंग सिस्टम को और मजबूत बनाया जाए। मौसम संबंधी सूचनाओं को समय पर लोगों तक पहुंचाने और राहत-बचाव कार्यों के लिए विभागों के बीच बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने को कहा गया।

उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक, प्रशिक्षण और जनजागरूकता आपदा प्रबंधन को प्रभावी बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं। सरकार का उद्देश्य है कि आपदा के समय कम से कम नुकसान हो और लोगों को तुरंत सहायता मिल सके।

कार्य क्रम में कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल सहित कई जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री ने नए भवन को आपदा प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि बेहतर योजना और सामूहिक प्रयासों से प्रदेश को आपदाओं से निपटने के लिए और सक्षम बनाया जा सकता है।

राममंदिर चढ़ावा मामला: राहुल ने पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

यूनिक समय, अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर ट्रस्ट के वित्तीय मामलों की स्वतंत्र जांच कराने और खातों को सार्वजनिक करने की मांग की है।

पत्र में उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को यह जानने का अधिकार है कि मंदिर में मिले चढ़ावे का उपयोग कहां और कैसे किया गया। उन्होंने मामले में जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की भी मांग उठाई। वहीं, पुलिस राम मंदिर चढ़ावा मामले में आरोपी रमाशंकर यादव उर्फ टिन्नू और उसके भतीजे मनीष से पूछताछ कर रही है। दोनों को 39 घंटे की पुलिस रिमांड पर लिया गया था। जांच के दौरान टिन्नू के घर से एक लाख रुपये और मनीष के घर से दो लाख रुपये बरामद किए गए थे।

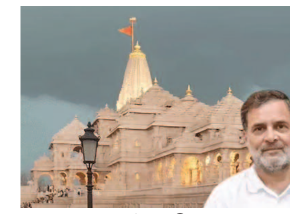

ट्रस्ट खातों की जांच और पारदर्शिता की मांग

आरोपियों से पूछताछ जारी, जांच में तेजी

इस मामले में कई अन्य आरोपियों से भी पूछताछ हो चुकी है। पुलिस चढ़ावे की हेराफेरी से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

राम मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि कानूनी प्रक्रि या पूरी होने के बाद ही पूरी सच्चाई सामने आएगी और बिना जांच किसी को दोषी ठहराना उचित नहीं है।

हिंदू महासभा कार्यक्रम में महिला ने किया हंगामा

पति पर लगाया दूसरी महिला संग रहने का आरोप

यमुना में कूदने से पहले पुलिस ने बचाया

यूनिक समय, आगरा। यमुना किनारे अखिल भारत हिंदू महासभा की "आमंत्रण यात्रा" के दौरान रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक महिला ने पहुंचकर जमकर हंगामा कर दिया। महिला ने अपने पति विपिन राठौर पर दूसरी महिला के साथ रहने का आरोप लगाते हुए विरोध शुरू कर दिया।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार्यक्रम शांतिपूर्ण तरीके से चल रहा था, तभी मुंह पर दुपट्टा बांधे एक महिला मौके पर पहुंची। उसने एक अन्य महिला पर अपने पति के साथ संबंध होने का आरोप लगाया। देखते ही देखते दोनों पक्षों के बीच कहासुनी बढ़ गई और

मामला हाथापाई तक पहुंच गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर स्थिति संभाली। महिला का आरोप था कि उसका पति पिछले नौ साल से दूसरी महिला के साथ रह रहा है और उसे छोड़ दिया है। हंगामे के बीच महिला भावुक हो गई और उसने यमुना में कूदकर जान देने का प्रयास किया। हालांकि वहां मौजूद सब-इंस्पेक्टर ने तुरंत कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ लिया और बड़ा हादसा टल गया।

घटना के बाद कुछ देर के लिए कार्यक्रम प्रभावित हुआ। पूरे घटनाक्रम का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

आगरा में कोरोना की वापसी बुजुर्ग महिला संक्रमित

यूनिक समय, आगरा। जिले में कोरोना संक्रमण का इस सीजन का पहला मामला सामने आया है। रकाबगंज थाना क्षेत्र की 77 वर्षीय महिला की जांच रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है। खांसी और सांस फूलने की शिकायत के बाद उन्हें एसएन मेडिकल कॉलेज के आइसोलेशन वार्ड में भर्ती कराया गया है, जहां उनका ऑक्सीजन सपोर्ट पर इलाज चल रहा है। परिजनों के अनुसार, महिला कई दिनों से स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों से जूझ रही थीं। पहले उन्हें सेना अस्पताल ले जाया गया, जहां से आगे इलाज की सलाह दी गई। इसके बाद 12 जुलाई को उन्हें पुष्पांजलि हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। जांच

इस साल का पहला कोरोना केस मिला

एसएन अस्पताल में चल रहा इलाज

रिपोर्ट में कोरोना संक्रमण की पुष्टि होने के बाद डॉक्टरों ने उन्हें उच्च चिकित्सा केंद्र रेफर किया। एसएन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने बताया कि मरीज की हालत गंभीर है और उन्हें आइसोलेशन वार्ड में रखा गया है। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। विस्तृत जांच के बाद ही स्वास्थ्य स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

महिला का फंदे से लटका मिला शव, जांच शुरू

यूनिक समय, अलीगढ़। इगलास कस्बे में रविवार सुबह एक महिला का शव कमरे में फंदे से लटका मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान किला खेड़ा मोहल्ला निवासी गीता देवी (40) पत्नी विनोद कुमार के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार, सुबह करीब आठ बजे कमरे में उनका शव पंखे से लटका मिला। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद सब-इंस्पेक्टर अजीत कुमार टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

सपा सम्मेलन में दिखी अंदरूनी खींचतान, बढ़ी सियासी हलचल

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी में एक बार फिर अंदरूनी मतभेद की चर्चाएं तेज हो गई हैं। मुरादाबाद में आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन में पार्टी की सांसद रुचि वीरा तो पहुंचीं, लेकिन जिले के चारों विधायक कार्यक्रम से दूर रहे। विधायकों की गैरमौजूदगी ने संगठन और जनप्रतिनिधियों के बीच तालमेल को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बुद्धि विहार स्थित व्हाइट हाउस में आयोजित सम्मेलन में बलिया सांसद सनातन पांडेय मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। मुरादाबाद की सांसद रुचि वीरा भी मंच पर नजर आईं, लेकिन कांठ विधायक कमाल अख्तर, मुरादाबाद देहात विधायक नासिर कुरैशी, बिलारी विधायक फहीम इरफान और ठाकुरद्वारा विधायक नवाब जान कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए।

जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों को कार्यक्रम की सूचना भेजी गई थी। उन्होंने बताया कि कमाल अख्तर अमरोहा में प्रदेश अध्यक्ष के कार्यक्रम में व्यस्त थे, जबकि नासिर कुरैशी लखनऊ में होने के कारण नहीं आ सके। हालांकि, नासिर कुरैशी ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम की जानकारी नहीं

सांसद पहुंचीं, चारों विधायक रहे नदारद

संगठन और जनप्रतिनिधियों के तालमेल पर सवाल

मिली थी।

ठाकुरद्वारा विधायक नवाब जान ने बताया कि कार्यक्रम की जानकारी थी, लेकिन तारीख स्पष्ट नहीं थी। उन्होंने अपनी टीम को भेजने की बात कही। वहीं बिलारी विधायक की गैरमौजूदगी का कारण स्पष्ट नहीं हो सका।

सपा में इसी तरह की स्थिति पहले भी सामने आती रही है। इससे पहले दिशा समिति की बैठक और पीडीए सम्मेलन जैसे कार्यक्रमों में भी नेताओं के बीच मतभेद की चर्चाएं हुई थीं।

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी सामाजिक समीकरण मजबूत करने में जुटी है, लेकिन संगठन और विधायकों के बीच दूरी बनी रही तो इसका असर चुनावी रणनीति पर पड़ सकता है। फिलहाल ब्राह्मण सम्मेलन से ज्यादा चर्चा पार्टी की अंदरूनी स्थिति को लेकर हो रही है।

डीएम के पास पहुंचा 13 साल का बच्चा

साहब घर के कमरे का ताला खुलवाइए

यूनिक समय, लखीमपुर खीरी। जिले में एक 13 वर्षीय बच्चे की फरियाद ने अधिकारियों का ध्यान खींच लिया। आठवीं कक्षा में पढ़ने वाला अमिताभ गुप्ता अकेले ही सदर तहसील पहुंच गया और समाधान दिवस में डीएम अंजनी कुमार सिंह के सामने अपनी समस्या रखी। बच्चे ने शिकायत की कि उसके ताऊ-ताई ने उसके घर के कमरे पर ताला लगा दिया है और उसे खुलवाया जाए।

बच्चे की बात सुनकर डीएम ने उसे पास बुलाया और पूरी जानकारी ली। इस दौरान अमिताभ ने बेबाक अंदाज में अपनी परेशानी बताई। उसने कहा कि वह कई बार चक्कर नहीं लगाना चाहता, इसलिए पुलिस से तुरंत कार्रवाई कराने की मांग कर रहा है। जब थाना प्रभारी ने कहा कि ताला खुलवा देंगे तो बच्चे ने जवाब दिया कि "खुलवा देंगे नहीं, खुलवा दीजिए।"

बातचीत के दौरान बच्चे ने पुलिस व्यवस्था पर भी टिप्पणी कर दी। उसने कहा कि कई बार काम तभी तेजी से होता है, जब लोगों को फायदा मिलता है। उसकी बात सुनकर वहां मौजूद लोग मुस्कुरा दिए। डीएम ने बच्चे को समझाया कि अभी उसे पढ़ाई पर ध्यान देना चाहिए और उसकी समस्या का समाधान कराया जाएगा।

डीएम के निर्देश पर सदर कोतवाल राजेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की। जांच में सामने आया कि जिस कमरे का ताला खुलवाने की मांग बच्चा कर रहा था, वह उसके पिता की पहली पत्नी के हिस्से का था। पहली पत्नी की मृत्यु हो चुकी है और उनका बेटा लखनऊ में रहता है।

पुलिस जांच में पारिवारिक विवाद

तहसील पहुंचकर बच्चे ने सुनाई अपनी परेशानी

पुलिस कार्रवाई पर भी उठाए सवाल

की बात सामने आई। बच्चे का कहना है कि आर्थिक स्थिति खराब होने के कारण उसे पढ़ाई और घर की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उसने डीएम से अपनी पढ़ाई और परिवार की आर्थिक स्थिति को लेकर भी चिंता जताई।

मामले का वीडियो सामने आने के बाद बच्चे की बेबाकी और अधिकारियों के सामने अपनी बात रखने के अंदाज की चर्चा हो रही है। प्रशासन ने मामले की जांच कर उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

यूपी में बारिश का कहर नदियां उफान पर पहुंचीं

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मानसून एक बार फिर सक्रिय हो गया है। रविवार को लखनऊ कानपुर, बरेली समेत 30 से अधिक शहरों में बारिश हुई। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है, जबकि कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

लगातार बारिश के कारण प्रदेश की प्रमुख नदियों का जलस्तर बढ़ रहा है। बलिया में सरयू नदी खतरे के निशान के करीब पहुंच गई है, जिससे करीब 100 गांवों पर बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। नदी के कटान में एक मकान कुछ ही सेकेंड में समा गया।

लखीमपुर खीरी में भी शारदा नदी के कटान से एक घर नदी में बह गया। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से

कई जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ा

रत्नेश्वर महादेव मंदिर आधा डूब गया है। दशाश्वमेध घाट की सीढ़ियां भी पानी में समा गई हैं।

कानपुर में गंगा चेतावनी स्तर के करीब पहुंच गई है, जिसके बाद प्रशासन ने बोटिंग पर रोक लगा दी है।

प्रयागराज संगम क्षेत्र में लोगों को नदी से दूर रहने की सलाह दी गई है। वहीं, मथुरा-वृंदावन में यमुना का जलस्तर भी लगातार बढ़ रहा है।

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में बने सिस्टम के कारण मानसून की सक्रियता बढ़ी है। 24 जुलाई तक प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर में बादल फटने से तबाही, 11 लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के पुंछ और किश्तवाड़ जिलों में शनिवार रात बादल फटने और भारी बारिश के बाद हालात बेहद खराब हो गए। बाढ़ और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक 11 लोगों की मौत हो चुकी है। पुंछ के सुरनकोट इलाके में भूस्खलन के कारण एक मकान मलबे में दब गया। हादसे के समय घर में आठ लोग मौजूद थे। राहत और बचाव दल ने मलबे से पांच लोगों के शव बरामद किए, जिसमें दो साल के मासूम सोफियान यासिर का शव भी शामिल है।

किश्तवाड़ के सुर्नू क्षेत्र में बादल फटने से कई घरों और खेतों को नुकसान पहुंचा है। राजौरी में लगातार बारिश के चलते नदियां उफान पर हैं।

धारहाल नदी का जलस्तर बढ़ने से न्यू बस स्टैंड बेला इलाके में पानी भर गया, जिससे करीब 200 से 250 वाहन बह गए।

वहीं उत्तराखंड में भी बारिश और भूस्खलन ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। केदारनाथ यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड के बाद घोड़े-खच्चरों की सेवाएं रोक दी गईं। कैलाश-मानसरोवर यात्रा के श्रद्धालुओं का एक जत्था भी रास्ता बंद होने के कारण रोक दिया गया है।

अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन से भारी नुकसान हुआ है। यहां कई जिले प्रभावित हुए हैं ।

पुंछ-किश्तवाड़ में मलबे ने मचाई तबाही

उत्तराखंड समेत कई राज्यों में बारिश का कहर

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पहाड़ी क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाएं नमी भरी हवाओं और भौगोलिक परिस्थितियों के कारण होती हैं। जब कम क्षेत्र में अचानक बहुत ज्यादा बारिश होती है तो बाढ़ और भूस्खलन जैसी आपदाएं सामने आती हैं। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों से दूर रहने और जरूरत पड़ने पर ही यात्रा करने की अपील की है।

मानसून सत्र से पहले सर्वदलीय बैठक में हंगामा

यूनिक समय, नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र से पहले बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष और सरकार के बीच टकराव देखने को मिला। बैठक में टीएमसी के कथित बागी सांसदों की मौजूदगी को लेकर विपक्षी दलों ने विरोध जताया और बैठक से बाहर निकल गए।

टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने आरोप लगाया कि बिना अंतिम निर्णय के कुछ सांसदों को अलग पहचान दी जा रही है। उन्होंने कहा कि बागी सांसदों से जुड़ी अयोग्यता याचिकाएं अभी लंबित हैं, ऐसे में उन्हें बैठक में शामिल करना नियमों के खिलाफ है।

कांग्रेस, सपा, डीएमके, आप,

बागी सांसदों की मौजूदगी पर विपक्ष नाराज

टीएमसी समेत विपक्षी दलों ने किया वॉकआउट

झामुमो, वाम दल और शिवसेना (यूबीटी) समेत कई विपक्षी दलों ने इस मुद्दे पर टीएमसी का समर्थन किया। कांग्रेस सांसद प्रमोद तिवारी ने कहा कि संविधान की रक्षा के लिए विपक्ष ने बैठक का बहिष्कार किया है।

संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू होकर 13 अगस्त तक चलेगा। इस दौरान कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है।

सोनम वांगचुक को निजी अस्पताल भेजने की मांग, हाईकोर्ट पहुंचीं पत्नी

यूनिक समय, नई दिल्ली। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के इलाज को लेकर विवाद अब दिल्ली हाईकोर्ट पहुंच गया है। उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो ने अदालत में याचिका दायर कर वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से किसी निजी अस्पताल में स्थानांतरित करने की मांग की है।

याचिका में कहा गया है कि परिवार को सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा व्यवस्था पर भरोसा नहीं रहा है। पत्नी का आरोप है कि वांगचुक को उनकी इच्छा के विरुद्ध अस्पताल में रखा गया और उन्हें अपने पसंद के अस्पताल में इलाज कराने की अनुमति नहीं दी जा रही है। गीतांजलि आंगमो ने दावा किया कि वांगचुक 21 दिनों से जंतर-मंतर पर भूख हड़ताल कर रहे थे, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने अस्पताल की रिपोर्ट

इलाज व्यवस्था पर परिवार ने उठाए सवाल

अस्पताल शिफ्टिंग को लेकर दाखिल हुई याचिका

और इलाज प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

परिवार ने पोटेशियम स्तर को लेकर भी संदेह जताया है। उनका कहना है कि अस्पताल और निजी जांच रिपोर्ट में अंतर सामने आया है, जिसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

वहीं सफदरजंग अस्पताल ने पहले जारी अपडेट में बताया था कि लंबे उपवास और शरीर में पानी की कमी के कारण वांगचुक कमजोर हुए हैं, लेकिन उनकी हालत स्थिर है। अब हाईकोर्ट के फैसले पर सभी की नजरें टिकी हैं।

30 साल बाद घर लौटेगा एवरेस्ट पर खोया जवान

यूनिक समय, नई दिल्ली। माउंट एवरेस्ट की ऊंचाइयों पर 30 साल से बर्फ में दबे लद्दाख के जवान लांस नायक दोरजे मोरुप का पार्थिव शरीर अब उनके परिवार तक पहुंचने वाला है। करीब 26 हजार फीट ऊंचे 'डेथ जोन' में मौजूद इस शव की हाल ही में डीएनए जांच से पहचान हुई है।

दोरजे मोरुप वर्ष 1996 में एवरेस्ट अभियान पर गए भारत की पहले तीन सदस्यीय टीम का हिस्सा थे। अभियान के दौरान वह और उनके दो साथी भीषण बर्फीले तूफान की चपेट में आ गए थे। इसी हादसे को '1996 माउंट एवरेस्ट डिजास्टर' के नाम से जाना जाता है। पैरों में हरे जूते होने के कारण दुनिया उन्हें लंबे समय तक 'ग्रीन बूट्स' के नाम से जानती रही। उनका शव एवरेस्ट के उत्तरी मार्ग की एक गुफा में था, जो पर्वतारोहियों के लिए एक पहचान बिंदु बन गया था। दोरजे की 75 वर्षीय पत्नी कोनचोक यांगस्किट की इच्छा है कि वह आखिरी बार अपने पति को देख

डीएनए जांच से हुई दोरजे की पहचान

बर्फीली चोटी से लाया जाएगा पार्थिव शरीर

सकें। अक्टूबर तक उनके पार्थिव शरीर को लद्दाख लाने की तैयारी है। ऊंचाई, कम ऑक्सीजन और कठिन मौसम के कारण तीन दशक तक शव को नीचे लाना संभव नहीं हो सका था। अब यह अभियान परिवार के लिए भावुक इंतजार का अंत साबित होगा।

विजयनगरम में लॉरी-कार की टक्कर, चार लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में रविवार को दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया। सत्ताराव जंक्शन के पास लॉरी और कार की जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हुआ है। घटना की सूचना मिलते ही आनंदपुरम पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

सांबा में मिला संदिग्ध पाकिस्तानी ड्रोन, जांच शुरू

एक सप्ताह में बरामद हुआ दूसरा ड्रोन

सुरक्षा एजेंसियों ने बढ़ाई निगरानी व्यवस्था

यूनिक समय, नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में सुरक्षा बलों ने एक संदिग्ध ड्रोन बरामद किया है। अधिकारियों के अनुसार, यह ड्रोन पाकिस्तान की ओर से भेजा गया हो सकता है। पिछले एक सप्ताह में जम्मू क्षेत्र में इस तरह का यह दूसरा मामला सामने आया है।

टेरिटोरियल आर्मी के जवानों ने शनिवार देर रात पुरमंडल क्षेत्र के सांगर खेतों से ड्रोन को बरामद किया। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके में जांच अभियान तेज कर दिया है। बरामद ड्रोन को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा गया है, ताकि इसके इस्तेमाल और

उद्देश्य की जानकारी जुटाई जा सके।

इससे पहले 14 जुलाई को जम्मू क्षेत्र के देवक गांव के पास एक खुले मैदान से संदिग्ध ड्रोन मिला था। लगातार ड्रोन मिलने की घटनाओं को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां सतर्क हो गई हैं और सीमावर्ती इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है।

अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही ड्रोन से जुड़ी पूरी जानकारी सामने आ सकेगी।

अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ा केशम द्वीप पर हवाई हमले

सैनिकों की मौत के बाद वाशिंगटन का जवाब

ईरान ने दी कड़े पलटवार की चेतावनी

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव अब और गहरा गया है। अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण केशम द्वीप और सीरिक बंदरगाह पर हवाई हमले किए हैं। अमेरिकी सेना ने इस कार्रवाई को होर्मुज जलडमरूमध्य में सुरक्षा सुनिश्चित करने और ईरानी सैन्य क्षमता को कमजोर करने के उद्देश्य से बताया है। यह हमला जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों की मौत के बाद किया गया। अमेरिकी सेना के अनुसार, मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाव के दौरान दो

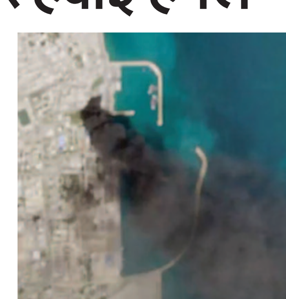

सैनिकों की जान गई, जबकि एक सैनिक लापता है। इस घटना के बाद वाशिंगटन ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तेज कर दिया। वहीं, ईरान ने अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा करते हुए जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी नेताओं ने कहा कि लगातार हमले जारी रहे तो बड़े स्तर पर सैन्य प्रतिक्रिया दी जाएगी। इस संघर्ष का असर खाड़ी क्षेत्र में भी दिखाई दे रहा है, जहां कई सैन्य ठिकानों और महत्वपूर्ण स्थानों को निशाना बनाया गया है।

बद्रीनाथ चढ़ावा मामला: अब कुबेर खजाने की होगी जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। बद्रीनाथ धाम में चढ़ावे की गणना में सामने आई कथित वित्तीय अनियमितताओं की जांच अब और गहराती जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच का दायरा बढ़ाते हुए भगवान बदरीनाथ के 'कुबेर के खजाने' का रिकॉर्ड भी तलब किया है।

पुलिस ने बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) से पिछले तीन वर्षों के दान संबंधी दस्तावेज मांगे हैं। इन रिकॉर्ड में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाई गई नकदी के साथ सोना, चांदी, हीरे, माणिक और अन्य बहुमूल्य वस्तुओं का भी मिलान किया जाएगा।

मंदिर परिसर में स्थापित 26 दानपात्रों

से प्राप्त धनराशि और कीमती वस्तुओं को सुरक्षित बॉक्स में रखकर अभिलेखों में दर्ज किया जाता है। अब पुलिस इन रिकॉर्डों की

दान रिकॉर्ड खंगालेगी पुलिस, बढ़ा जांच दायरा

तीन साल के अभिलेखों का होगा मिलान

बारीकी से जांच कर यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कहीं किसी स्तर पर गड़बड़ी तो नहीं हुई। एसपी सुरजीत सिंह पंवार के अनुसार, वित्तीय रिकॉर्ड की जांच के लिए विशेषज्ञ लेखाकार को बद्रीनाथ भेजा गया है। वह मंदिर के खजाने में दर्ज नकदी और बहुमूल्य सामग्री का मिलान संबंधित दस्तावेजों से करेंगे।

वहीं, मामले में आरोपी पूर्व मंदिर अधिकारी राजेंद्र चौहान को अदालत ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस ने मुख्य आरोपी प्रमोद नौटियाल की कस्टडी रिमांड के लिए अदालत में आवेदन किया था, लेकिन अभी रिमांड मंजूर नहीं हुई है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। चढ़ावा प्रकरण में अब पुराने रिकॉर्ड और मौजूदा दस्तावेजों की जांच से कई अहम खुलासे होने की संभावना जताई जा रही है।

खेत पर महिला को लाठी-डंडों से पीटा गला दबाकर जान से मारने की कोशिश

यूनिक समय, मांट। थाना क्षेत्र में हुई एक घटना ने इंसानियत को शर्मसार कर दिया। सनसनीखेज मामले में ग्राम छाहरी में खेत पर ट्रैक्टर से जुताई कराने गई एक महिला पर गांव के ही दबंगों ने लाठी-डंडों और लात-घूंसों से जानलेवा हमला कर दिया। दबंगों ने महिला को जमीन पर पटक कर जान से मारने की नीयत से उसका गला दबाया । वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

ग्राम छाहरी के रहने वाले शिवकुमार की पत्नी रजनी बुधवार प्रातः 10 बजे बंसीवट स्थित अपने खेत पर ट्रैक्टर से जुताई करवाने गई थी। आरोप है कि वहां गांव के ही लालाराम, रज्जो, राजू उर्फ राजकुमार, जया, माया, मीरा और महाराम पहले से ही घात लगाए बैठे थे। महिला को अकेला देख इन सभी ने उसे घेर लिया और लाठी-डंडों से

वीडियो वायरल होने के बाद केस दर्ज

बेरहमी से पिटाई की। आरोप है कि मारपीट के दौरान लालाराम, जया और मीरा ने रजनी को जबरन जमीन पर पटक कर जान से मारने की नीयत से उसका गला दबा दिया। गला घुटने से महिला बेसुध होकर जमीन पर गिर गई।

घटना के दौरान मौके पर पहुंचे यूपी 112 के पुलिस वाहन ने घायल महिला को दबंगों के चंगुल से छुड़ाया और बेहोशी-लहूलुहान हालत में थाने लेकर आई, जहां से उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया था। इस पूरी वारदात का किसी राहगीर ने वीडियो बना लिया, जो अब इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद पीड़िता के पति शिवकुमार की तहरीर पर सभी सात दबंगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई।

सौंख रोड पर खाना खाते युवक से मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। चौकी कृष्णानगर स्थित सौंख रोड पर एक होटल पर खाना खाते युवक पर एक दर्जन से अधिक हमलावरों ने हमला कर दिया। मारपीट से इलाके में हड़कंप मच गया। हमलावर युवक को मरणासन्न हालत में छोड़ कर भाग गए।

बताया गया कि गोवर्धन का रहने वाला युवक दिनेश रविवार को किसी काम से मथुरा आया था। वह करीब साढ़े पांच बजे सौंख रोड स्थित एक होटल पर खाना खा रहा था। इसी बीच कारों में सवार होकर एक दर्जन से अधिक लोग आए। इनके हाथों में डंडे, सरिया आदि थे।

इन लोगों ने दिनेश को होटल से खींच लिया और उसके साथ जमकर मारपीट की। मारपीट में दिनेश बुरी तरह से घायल हो गया। बताया गया कि

पुरानी रंजिश में एक दर्जन से अधिक हमलावरों ने किया हमला

पुलिस ने युवक को जिला अस्पताल में कराया भर्ती

हमलावरों ने फायरिंग भी की, जिससे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना का पता लगने पर कृष्णा नगर चौकी इंचार्ज भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने बताया कि दिनेश के साथ मारपीट पुरानी रंजिश को लेकर की गई।

पुलिस ने गंभीर रुप से घायल युवक को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती करा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

दोस्त ने दोस्त के साथ की गद्दारी

फोन पर बुलाकर साथियों के साथ की मारपीट

मारपीट का वीडियो हो रहा वायरल

मारपीट करते दोस्त और उसके साथी

यूनिक समय, छाता, मथुरा। नौगांव में दोस्ती के नाम पर विश्वासघात और बर्बरता का मामला सामने आया है। एक युवक को उसके दोस्तों ने फोन कर सुनसान स्थान पर बुलाया और फिर आधा दर्जन से अधिक लोगों ने मिलकर उसके साथ जमकर मारपीट की। इस पूरी घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

थाना हाईवे के गांव सतोहा निवासी विष्णु ने छाता कोतवाली में लिखित तहरीर दी है। बताया कि उसके दोस्त अंकित ने फोन कर नौगांव बुलाया था। जैसे ही वह वहां पहुंचा, अंकित ने अपने छह सात अज्ञात साथियों के साथ मिलकर उसे घेर लिया और लाठी-डंडों से हमला कर बुरी तरह से घायल कर दिया। पीड़ित ने नामजद आरोपी अंकित और उसके साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कानूनी कार्रवाई करने को कहा है।

2027 की तैयारी में जुटी बीएसपी, सेक्टर और बूथ कमेटियों की हुई समीक्षा

चुनाव तैयारियों को लेकर बैठक करते बसपा पदाधिकारी।

यूनिक समय, छाता। बसपा की रविवार को छाता विधानसभा क्षेत्र में सेक्टर- बूथ स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक में वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत बनाने और बूथ स्तर तक पार्टी की सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया गया।

बैठक में आगरा मंडल प्रभारी सुशील कुमार भंडारी ने कहा कि किसी भी चुनाव में जीत की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी बूथ स्तर के कार्यकर्ता होते हैं। यदि सेक्टर और बूथ कमेटियां मजबूत होंगी तो चुनाव में बेहतर परिणाम मिलेंगे।

बीएसपी के कॉर्डिनेटर नरेश कुमार ने कहा कि यदि कार्यकर्ता 2027 में प्रदेश में बसपा की सरकार बनते देखना चाहते हैं, तो उन्हें अपने-अपने सेक्टर और बूथ को मजबूत करने के लिए पूरी मेहनत करनी होगी।

इस अवसर पर जिलाध्यक्ष जितेंद्र कर्दम, जिला उपाध्यक्ष नवल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष दिलीप तंवर, जिला पंचायत सदस्य हरि सिंह, चेयरमैन प्रतिनिधि फाल्गुन उर्फ कान्हा, सुरेश बाबू, गोवर्धन सिंह,भगवान सिंह, गिरधर सिंह निर्गम, मोहर सिंह, गोपाल,रामजीत, रोहताश, नंदकिशोर गौतम, निरंजन सिंह, महेंद्र सिंह, भानू, हरिओम, प्रेम सिंह, राकेश कुमार गुप्ता, कौशल किशोर शर्मा,लहौर सिंह दरोगा, गिरधारी लाल, विक्रम, दिनेश सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

छाता-बरसाना रोड पर दुकान से लाखों की चोरी

यूनिक समय, छाता। क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं और वे पुलिस को खुली चुनौती दे रहे हैं। छाता-बरसाना मार्ग पर स्थित गांव भदावल में शनिवार-रविवार की रात चोरों ने एक दुकान को निशाना बना कर लाखों रुपये के गल्ले पर हाथ साफ कर दिया। शातिर चोरों ने वारदात को अंजाम देने से पहले दुकान में लगे सीसी कैमरों के तार काट दिए, ताकि उनकी पहचान न हो सके। भदावल गांव के छाता-बरसाना रोड पर 'भगत सिंह कोल्ड ड्रिंक रिटेलर' के नाम से एक बड़ी दुकान है। बीती देर रात अज्ञात चोरों ने दुकान का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। चोरों ने बड़ी चालाकी से सबसे पहले वहां लगे सीसी कैमरों को क्षतिग्रस्त किया और केबिल को काट दिया। इसके बाद चोरों ने

चोरों ने सीसी कैमरे की केबिल काट दी

दुकानदार ने मोबाइल पर देखा तो दुकान के कैमरे बंद थे

दुकान के गल्ले और तिजोरी में रखे लाखों रुपये को समेट लिया। इस पूरी वारदात में एक हैरान करने वाला मोड़ तब आया, जब पीड़ित दुकानदार ने रात में अचानक अपने मोबाइल पर सीसी कैमरे की फुटेज चेक की। कैमरे बंद देखकर और कुछ संदिग्ध गतिविधि भांपकर पीड़ित ने तुरंत मुस्तैदी दिखाई। तुरंत पुलिस को जानकारी दी। इसके साथ ही वह भी दुकान की ओर दौड़े। दुकान तक पहुंचने से पहले आहट पाकर चोर भाग चुके थे।

ट्रांसफार्मर में लगी आग, वीडियो वायरल

यूनिक समय, छाता। क्षेत्र के गांव पैगांव में रविवार को बिजली के ट्रांसफार्मर में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगने से पहले तेज धमाके जैसी आवाज सुनाई दी, जिससे आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई। धमाके के बाद ट्रांसफार्मर से आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं और काले धुएं का घना गुबार आसमान में फैल गया। घटना को देखकर आसपास के लोग दहशत में आ गए और सुरक्षित स्थानों की ओर हट गए। मौके पर मौजूद लोगों ने आग का वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद कर लिया, जो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

उड़ीसा से पैदल निकले रघुमणि का कोसी में हुआ स्वागत

यूनिक समय, कोसीकलां। बेटी बचाओ, पर्यावरण संरक्षण, अधिक से अधिक पौधारोपण और गौसंवर्धन का संदेश लेकर उड़ीसा के झारसुगुड़ा जनपद के परमानपुर निवासी रघुमणि देहरिया नई दिल्ली की पदयात्रा पर निकले हैं। जनजागरूकता अभियान के तहत रविवार को उनके कोसीकलां पहुंचने पर नंदगांव रोड स्थित वरिष्ठ भाजपा नेता रघुबर सिंह तोमर के कार्यालय पर स्वागत-सम्मान किया गया।

बेटी बचाओ और पर्यावरण संरक्षण का संदेश लेकर दिल्ली जाते रघुमणि देहरिया का स्वागत करते भाजपा नेता रघुवीर सिंह।

रघुबर सिंह तोमर ने देहरिया के अभियान की सराहना करते हुए कहा कि बेटियों की सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और गौसंवर्धन जैसे विषयों पर समाज में व्यापक जनजागरूकता की आवश्यकता है। देहरिया ने बताया कि उनकी पदयात्रा का उद्देश्य लोगों को बेटियों की सुरक्षा, अधिक से अधिक पौधारोपण, पर्यावरण संरक्षण और गौसंवर्धन के प्रति जागरूक करना है।

नीट में एम्प्राइज के विद्यार्थियों ने रचा सफलता का इतिहास

नीट परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों के साथ शिक्षक, अभिभावक आदि।

यूनिक समय, मथुरा। भूतेश्वर रोड स्थित एम्प्राइज एकेडमी के विद्यार्थियों ने नीट (यूजी)-2026 परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। विद्यार्थियों की उत्कृष्ट उपलब्धि से संस्थान में उत्सव का माहौल रहा। सफल छात्र-छात्राओं का पुष्पमालाओं से स्वागत कर मिठाई खिलाई गई और उनकी सफलता पर शिक्षकों -अभिभावकों ने खुशी जताई।

संस्थान के निदेशक सुशील डागुर ने बताया कि इस वर्ष कई विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय रैंक हासिल की हैं। भानु प्रताप तोमर ने ओबीसी श्रेणी में अखिल भारतीय रैंक 1794, श्रेया अग्रवाल ने 8570, अश्वनी ने 16734, सृष्टि सारस्वत ने 18162, श्रेया यादव ने ओबीसी श्रेणी में 16937 और खुशी ने अपनी श्रेणी में अखिल भारतीय रैंक 3480 प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया।

सफल विद्यार्थियों ने अपनी उपलब्धि का श्रेय कठिन परिश्रम, नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और आत्मविश्वास को दिया। उन्होंने बताया कि अनुभवी शिक्षकों का मार्गदर्शन, गुणवत्तापूर्ण अध्ययन सामग्री, नियमित टेस्ट सीरीज और डाउट सेशन ने बेहतर प्रदर्शन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

निदेशक सुशील डागुर ने सभी सफल विद्यार्थियों और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि एम्प्राइज एकेडमी पिछले 15 वर्षों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और परिणामोन्मुखी शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों को उनके लक्ष्य तक पहुंचाने का कार्य कर रही है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी संस्थान के विद्यार्थी राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर मथुरा का नाम रोशन करेंगे।

फरह नगर पंचायत का बारात घर बदहाल,नशेड़ियों ने जमाया डेरा

यूनिक समय, फरह। कस्बे में बना नगर पंचायत का बारात घर इन दिनों बदहाली और अव्यवस्थाओं के कारण चर्चा में है। शादी-विवाह और सामाजिक आयोजनों के लिए बनाए गए इस सार्वजनिक भवन की हालत लगातार खराब होती जा रही है। परिसर के कई गेट टूटे पड़े हैं, चारदीवारी और खिड़कियां क्षतिग्रस्त हैं, जिससे असामाजिक तत्व आसानी से अंदर प्रवेश कर जाते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शाम ढलते ही यहां नशेड़ियों का जमावड़ा लग जाता है। देर रात तक शराब और गांजे का सेवन होता है, जिसके बाद परिसर में शराब की खाली बोतलें, प्लास्टिक के गिलास और अन्य कचरा बिखरा रहता है। इससे आसपास रहने वाले लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है।

आसपास के रहने वाले लोगों ने

कस्बा फरह के सामुदायिक बरात घर में बिखरी गंदगी।

बताया कि बीती सात जुलाई को इसी बारात घर में एक सार्वजनिक कार्यक्रम हुआ था। कार्यक्रम के बाद भी बारात घर की जर्जर स्थिति और गंदगी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी रही, लेकिन नगर पंचायत ने अब तक मरम्मत और साफ-सफाई के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नगर पंचायत शादी-विवाह और अन्य आयोजनों के लिए करीब 1100 रुपये का शुल्क वसूलती है। इसके बावजूद न तो सुरक्षा की व्यवस्था है और न ही नियमित रखरखाव किया जा रहा है। लोगों का सवाल है कि जब शुल्क लिया जा रहा है तो सुविधाएं और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना भी

टूटे गेट और गंदगी से बिगड़ी पहचान, शुल्क वसूली के बावजूद सुविधाओं का अभाव

नगर पंचायत की जिम्मेदारी है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि टूटे गेटों की मरम्मत कर परिसर को सुरक्षित किया जाए, नियमित सफाई कराई जाए और रात के समय निगरानी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तो बारात घर फिर से अपने मूल उद्देश्य के अनुरूप उपयोग में आ सकता है। लोगों ने डीएम से जल्द कार्रवाई कर सार्वजनिक संपत्ति को नशेड़ियों के कब्जे से मुक्त कराने और इसे सुरक्षित-व्यवस्थित बनाने की मांग की है।